संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 58
पृष्ठ 8
शनिवार
15 नवम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बिना वजह आवाज भारी लगना....
विचार- रक्षा और पशुकल्याण साथ चलें ...
खेल- बसपा के पूर्व विधायक और ...

हमारा विजन देख जनता ने बहुमत दिया

एनडीए की जीत पर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में शानदार जीत दर्ज की। राज्य की 243 विधानसभा सीटों में से 200 से अधिक पर प्रभावशाली बढ़त हासिल की। साथ ही नवीनतम रुझानों से यह भी संकेत मिला कि भगवा पार्टी शानदार स्ट्राइक रेट के साथ अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज करने की राह पर है। इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया है। मोदी ने एक्स पर लिखा कि सुशासन की जीत हुई है। विकास की जीत हुई है। जन–कल्याण की भावना की जीत हुई है। सामाजिक न्याय की जीत हुई है। मोदी ने आगे लिखा कि बिहार के मेरे परिवारजनों का बहुत–बहुत आभार, जिन्होंने 2025 के विधानसभा चुनावों में एनडीए को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व जीत का आशीर्वाद दिया है। यह प्रचंड जनादेश हमें जनता–जनार्दन की सेवा करने और बिहार के लिए नए संकल्प के साथ काम करने की शक्ति प्रदान करेगा। उन्होंने लिखा कि एनडीए ने राज्य का चौतरफा विकास किया है। लोगों ने हमारे ट्रैक रिकॉर्ड और राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के हमारे विजन को देखकर हमें भारी बहुमत दिया है। मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी और एनडीए परिवार के हमारे सहयोगी चिराग पासवान जी, जीतन राम मांझी जी और उपेंद्र कुशवाहा जी को इस जबरदस्त जीत के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने लिखा कि मैं एनडीए के प्रत्येक कार्यकर्ता का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने अथक परिश्रम किया है। उन्होंने जनता के बीच जाकर हमारे विकास के एजेंडे को सामने रखा और विपक्ष के हर झूठ का मजबूती से जवाब दिया। मैं उनकी हृदय से सराहना करता हूं! उन्होंने वादा किया कि आने वाले समय में हम बिहार के विकास, यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर और राज्य की संस्कृति को नई पहचान देने के लिए बढ़–चढ़कर काम करेंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यहां की युवा शक्ति और नारी शक्ति को समृद्ध जीवन के लिए भरपूर अवसर मिले। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा कि बिहार विधानसभा चुनावों में एनडीए की भव्य और अभूतपूर्व विजय ने बिहार प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के चुनावी इतिहास में एक सुनहरा अध्याय लिख दिया है। यह विकास की राजनीति की एक ऐतिहासिक जीत है। इस बार के चुनावों में एनडीए को मिलने वाला तीन चौथाई बहुमत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी नेतृत्व, उनकी विश्वसनीयता तथा सुशासन और विकास की राजनीति में जनता के अटूट भरोसे का प्रमाण है। प्रधानमंत्रीजी को इस महाविजय की बहुत बधाई एवं शुभकामनाएँ। बिहार की जनता ने जो ऐतिहासिक जनादेश एनडीए को दिया है, उसके लिए मैं उनका अभिनंदन करता हूँ। यह जनादेश हमें और अधिक निष्ठा, सेवा–भाव और दृढ़ संकल्प के साथ बिहार की सेवा करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने लिखा कि एनडीए गठबंधन की प्रचंड विजय में प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के अनुभवी नेतृत्व और उनकी प्रशासनिक दक्षता का भी पूरा योगदान है। इस जीत पर मैं भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को हृदय से बधाई देता हूँ, जिन्होंने अपने परिश्रम और समर्पण से इस बड़ी जीत को हासिल किया है। इस जीत के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डी, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को भी बधाई!

सीएम योगी किसानों पर मेहरबान

40 हजार से ज्यादा किसानों को मिलेंगे सोलर पंप

लखनऊ, संवाददाता। योगी सरकार ने राज्य के 40521 हजार किसानों को तोहफा दिया है। 2024–25 में प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान पीएम कुसुम योजना के तहत बाकी रह गए सोलर पंप की स्थापना के लक्ष्य को चालू वित्तीय वर्ष में पूरा होगा। कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है।प्रदेश में वर्ष 2019–20 से प्रदेश सरकार द्वारा भारत सरकार के सहयोग से पीएम–कुसुम योजना का संचालन किया जा रहा है। योजना के तहत दो हार्सपावर से 7.5 हार्सपावर तक के सोलर पंप की स्थापना पर मूल्य का 60 प्रतिशत अनुदान किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है। 10 हार्स पावर के सोलर पंप स्थापित कराने पर भी 7.5 हार्सपावर के पंप के बराबर अनुदान दिया जाता है। सरकार के अनुसार वर्ष 2020–21 से मार्च 2025 तक 63,345 सोलर पंपों की स्थापना कराई गई है। इससे 1.49 लाख हेक्टेयर सिंचन क्षमता का सृजन हुआ है। प्रति वर्ष 5483.98 लाख यूनिट बिजली की बचत, कार्बन उत्सर्जन में प्रति वर्ष 1.26 लाख टन की कमी आ रही है। इसके अलावा डीजल पंप सेट को सोलर पंपर से परिवर्तित होने से हर साल 877.50 लाख लीटर डीजल की भी बचत हुई है। वित्तीय वर्ष 2024–25 में 28,811 कृषक प्रक्षेत्रों पर विभिन्न क्षमता के सोलर पंपों की स्थापना कराई गई थी, जबकि 40,521 हजार पंप की स्थापना का लक्ष्य शेष रह गया था। चालू वित्तीय वर्ष में 45 हजार सोलर पंप की स्थापना का लक्ष्य है। कृषि विभाग ने 2024–25 के शेष लक्ष्यों की चालू वित्तीय वर्ष में पूर्ति करने का प्रस्ताव दिया था, जिसे कैबिनेट ने स्वीकृति दे दी है। इन सोलर पंप की स्थापना के लिए किसानों का चयन कृषि विभाग के पोर्टल के माध्यम से टोकन प्रक्रिया के आधार पर पहले आओ–पहले पाओ की नीति से किया जाएगा।

बिहार के परिणाम बताते हैं कि आगे चुनाव जाति या धर्म पर नहीं, विकास के मुद्दे पर लड़े जाएंगे : सावंत

गोवा, एजेंसी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शुक्रवार को कहा कि बिहार के लोगों ने दिखा दिया है कि भविष्य के सभी चुनाव धर्म या जाति के आधार पर नहीं, बल्कि विकास के एजेंडे पर लड़े जाएंगे। सावंत ने यहां संवाददाताओं से कहा कि बिहार के लोगों ने स्पष्ट रूप से संकेत दिया है कि वे एक ऐसी सरकार चाहते हैं जो विकास में विश्वास रखती हो न कि जंगल

राज में। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने दिखा दिया है कि भविष्य में सभी चुनाव विकास के एजेंडे पर लड़े जाएंगे, न कि धर्म या जाति के आधार पर। बिहार विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)राज्य की 243 विधानसभा सीटों में से 180 से अधिक पर बढ़त हासिल करते हुए प्रचंड जीत की ओर बढ़ रहा है। सावंत ने जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा नेतृत्व और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बधाई भी दी। मुख्यमंत्री ने कहा, ''यह एक क्लीन स्वीप है। बिहार में राजग की सरकार चुन ली गई है।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बिहार में बुनियादी ढांचे और मानव संसाधन का विकास हुआ है और लोगों ने विकसित भारत 2047 के लिए मतदान किया है।

ईडन गार्डन्स विज्ञापन टैक्स विवाद में सीएबी को 'सुप्रीम' राहत, कोर्ट ने केएमसी की याचिका खारिज की

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल को एक मामले में बड़ी राहत दी है। इसके तहत सर्वोच्च न्यायलय ने शुक्रवार को कोलकाता नगर निगम (केएमसी) की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें 1996 क्रिकेट वर्ल्ड कप के दौरान ईडन गार्डन्स में लगाए गए विज्ञापनों पर 51.18 लाख रुपये टैक्स वसूलने की मांग को चुनौती दी गई थी। यह

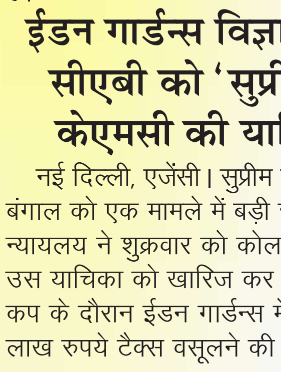

मांग नोटिस 27 मार्च 1996 को क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) को जारी किया गया था। बता दें कि 1996 वर्ल्ड कप के उद्घाटन समारोह (11 फरवरी 1996) और सेमीफाइनल मैच (13 मार्च 1996) के दौरान ईडन गार्डन्स में लगाए गए विज्ञापनों पर केएमसी ने सीएबी से टैक्स मांगते हुए नोटिस जारी किया था। इसके बाद सीएबी ने इसे हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। मामले में 2015 में कलकत्ता हाईकोर्ट के एक सिंगल जज ने नोटिस रद्द कर दिया था। जून 2024 में हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने भी कहा कि ईडन गार्डन्स पब्लिक प्लेस नहीं है, इसलिए विज्ञापन टैक्स नहीं लगाया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि जब किसी जगह पर आम जनता की एंट्री शर्तों के साथ हो, तो वह सार्वजनिक स्थान नहीं माना जाता। डिवीजन बेंच ने यह भी कहा कि ईडन गार्डन्स का मालिक रक्षा मंत्रालय है और सीएबी इसे लीज पर चलाता है, इसलिए यहां लगाए गए विज्ञापन आम जनता के लिए स्वतः दिखाई देने वाले नहीं माने जाएंगे।

वोटबैंक के लिए घुसपैठियों को बचाने वालों को जनता ने दिया करारा जवाब

एनडीए की जीत पर अमित शाह की हुंकार

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन 2025 के बिहार चुनावों में एक नया मील का पत्थर स्थापित करने की ओर बढ़ रहा है, क्योंकि इसने नवीनतम रुझानों में 200 का आंकड़ा पार कर लिया है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने निर्णायक बढ़त हासिल कर ली है। इसको लेकर गृह मंत्री अमित शाह का ट्वीट भी आ गया है। अपने ट्वीट में शाह ने लिखा कि ज्ञान, परिश्रम और लोकतंत्र की रक्षक 'बिहार भूमि' की जनता को कोटि–कोटि नमन। शाह ने आगे लिखा कि बिहारवासियों द्वारा छक। को यह प्रचंड जनादेश, बिहार में विकास, महिलाओं की सुरक्षा, सुशासन और गरीब कल्याण की छक। की संकल्प सेवा पर जनता की मुहर है। पिछले 11 सालों में मोदी जी ने बिहार के लिए दिल खोलकर कार्य किए और नीतीश जी ने बिहार को जंगलराज के अंधेरे से बाहर निकालने का काम किया। यह जनादेश 'विकसित बिहार' के संकल्प के लिए है। उन्होंने कहा कि बिहारवासियों का एक–एक वोट भारत की सुरक्षा और संसाधनों से खेलने वाले घुसपैठियों और उनके हितैषियों के खिलाफ मोदी सरकार की नीति में विश्वास का प्रतीक है। वोटबैंक के लिए घुसपैठियों को बचाने वालों को जनता ने करारा जवाब दिया है। वरिष्ठ भाजपा नेता ने लिखा कि बिहार की जनता ने पूरे देश का मूड बता दिया है कि मतदाता सूची शुद्धिकरण अनिवार्य है और इसके खिलाफ राजनीति की कोई जगह नहीं है। इसीलिए राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस आज बिहार में आखिरी पायदान पर आ गई है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह 'विकसित बिहार' में विश्वास रखने वाले हर बिहारवासी की जीत है। उन्होंने कहा कि जंगलराज और तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले किसी भी भेष में आएँ, उन्हें लूटने का मौका नहीं मिलेगा। जनता अब सिर्फ और सिर्फ 'प्रदर्शन की राजनीति के आधार पर जनादेश देती है। अमित शाह ने लिखा कि नरेंद्र मोदी, नीतीश कुमार व छक। के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूँ। साथ ही, अपने अथक परिश्रम से इस परिणाम को चरितार्थ करने वाले बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक के भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं का अभिवादन करता हूँ। मैं बिहार की जनता और विशेषकर हमारी माताओं–बहनों को आश्वस्त करता हूँ कि जिस आशा और विश्वास के साथ आपने एनडीए को यह जनादेश दिया है, मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार उससे अधिक समर्पण से उसे पूरा करेगी।

विकास का मार्ग चुनने के लिए बिहार की जनता को बधाई : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव की मतगणना में राजग के बड़ी जीत की ओर बढ़ने के मद्देनजर राज्य के लोगों को विकास का रास्ता चुनने के लिए बधाई दी। एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली और बिहार आपस में जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, दिल्ली और बिहार के लोगों को बधाई। रुझान बता रहे हैं कि राजग जीत की ओर बढ़ रहा है... मुझे उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बिहार विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। बाद में, पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य ने विकास का रास्ता चुना है। उन्होंने कहा, हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकास का रास्ता चुनने के लिए बिहार के लोगों को मेरी ओर से शुभकामनाएं। गुप्ता भाजपा शासित 14 राज्यों में एकमात्र महिला मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने भाजपा उम्मीदवारों के प्रचार के लिए राज्य का कई बार दौरा किया था। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने बिहार में भारी बढ़त हासिल कर ली है। राज्य की 243 विधानसभा सीटों में से 200 से अधिक सीट पर राजग के उम्मीदवार आगे हैं।

महागठबंधन अल्पसंख्यक वोटों के बंटवारे के लिए जिम्मेदार : एआईएमआईएम

मुंबई, एजेंसी। ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता वारिस पठान ने महागठबंधन पर अल्पसंख्यक वोटों के बंटवारे का आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत अल्पसंख्यकों और पिछड़ी जातियों की कीमत पर हुई है। श्री पठान ने महागठबंधन पर आरोप लगाते हुए कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस के नेतृत्व वाला महागठबंधन अल्पसंख्यक वोटों के बंटवारे के लिए जिम्मेदार है, जिसका भाजपा को लाभ मिला। श्री पठान ने कहा, ''हमने उन्हें महागठबंधन से केवल छह सीटें मांगकर साथ आने का मौका

दिया था लेकिन उन्होंने मना कर दिया।'' न्होंने इस आलोचना को भी खारिज कर दिया कि उनकी पार्टी भाजपा की श्बी टीमश के रूप में काम कर रही है। श्री पठान ने बिहार में अपने प्रदर्शन को अपनी मजबूती का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा, पहले महाराष्ट्र में और अब बिहार में उन्होंने हमें बी टीम कहा और उन्हें हार और अपमान का सामना करना पड़ा। श्री पठान ने कहा कि महागठबंधन ने 2 प्रतिशत मतदाता वर्ग वाले उम्मीदवार को गठबंधन का चेहरा घोषित करके एक रणनीतिक भूल की है, जबकि 19 प्रतिशत मतदाता वर्ग वाले समुदाय की उपेक्षा की है। उन्होंने सीमांचल में अपनी स्थिति मजबूत होने का दावा किया और वहां की जनता का अपने को आभारी बताया। उन्होंने मतगणना के अंत तक अपनी पार्टी के और भी मजबूत होकर उभरने की उम्मीद जताई। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम को 5 सीटें मिली हैं और एक सीट पर वह आगे चल रही है।

महागठबंधन ने बिहार चुनाव में हार के लिए गलतियां, एनडीए से लड़ाई में उतरा ही नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में जीत के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने क्या–क्या किया, यह दोनों पक्ष बता रहे हैं। एनडीए इस प्रचंड जीत के लिए विकास और सेवा को क्रेडिट दे रहा है। दूसरी तरफ, महागठबंधन के नेता बार–बार कह रहे कि सरकार ने महिलाओं को 10 हजार घूस देकर यह वोट लिया। लेकिन, यह जानना भी रोचक है कि बिहार चुनाव में हारने के लिए महागठबंधन ने क्या–क्या किया? फरवरी से शुरुआत हुई और नवंबर तक अपने पैरों में कुल्हाड़ी मारते रहे महागठबंधन के दल। सबसे बड़ी बात, एनडीए से तो लड़ाई तो कभी दिखाई ही नहीं। कैसे, यह समझें।

पहली गलती : राहुल गांधी ने फरवरी से पकड़ी अलग राह

बड़े राजनीतिक दल व्यापक पैमाने पर समीक्षा करते हैं। करने की बात आएगी ही रात तक। वैसे, इस हार के लिए तैयारी फरवरी में राहुल गांधी ने शुरू कर दी थी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार चुनाव की तैयारी फरवरी में शुरू की थी। बिहार आना शुरू किया। महागठबंधन के अंदर रहेंगे, यह कभी लगने ही नहीं दिया। लगा जैसे कि राष्ट्रीय जनता दल के कोर वोटरों को निशाना बनाने के लिए संगठन में फेरबदल कर रहे हैं। प्रदेश प्रभारी अल्लावरु को लाया गया। प्रदेश अध्यक्ष की कमान राजेश राम को दे दी गई।

दूसरी गलती : महागठबंधन की जगह I-N-D-I-A- की तैयारी

देश स्तर पर विपक्षी दलों के गठबंधन की शुरुआत 2023 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने की थी। यह गठबंधन बन भी गया, लेकिन सीएम नीतीश कुमार ने जनादेश 2020 की वापसी कराते हुए जनवरी 2024 में एनडीए सरकार बनाकर उन बातों को भुला दिया। यह गठबंधन– ۹छ. क.۹।. दिल्ली तक में फेल हुआ, लेकिन राहुल गांधी यहां राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन की जगह उसे लाने की कोशिश में कूद गए। इसके लिए नए दलों को लाना था, जो कांग्रेस को नेतृत्व के लिए आगे बढ़ाते। लोकसभा चुनाव में राजद और तेजस्वी यादव ने महागठबंधन की कमान संभाली थी, लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव के लिए राहुल गांधी की तैयारी ही दूसरी थी।

तीसरी गलती : चुनाव आयोग से लड़ाई, उसी पर समय भी दिया

जब भी चुनाव होता है, कुछ जीवित मतदाताओं के नाम गायब होने की खबर आती है और कुछ मृत का नाम वोटर लिस्ट में रहता ही है। लेकिन, बिहार में जब इन स्थितियों को सुधारने के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं का विशेष गहन पुनरीक्षण कराना शुरू किया तो महागठबंधन के निशाने पर चुनाव आयोग आ गया। राहुल गांधी ने इस मुद्दे को बिहार में I-N-D-I-A- की एंट्री का रास्ता बनाने की कोशिश की। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने करीब डेढ़ महीने चुनाव आयोग से इस बात की लड़ाई में गुजार दिए। यह भी नहीं देखा कि आम जनता इसे कैसे देख रही है। प्रियंका गांधी ने जिसे वोटर लिस्ट में श्भूतश बताया, वह जिंदा मिली। जिसे राहुल गांधी ने वोटर लिस्ट से गायब बताया, वह भी मतदाता सूची में निकल आया। यह कुछ केस ही सामने आए। लेकिन, इसके लिए डेढ़ महीने का समय चुनाव आयोग को निशाना बनाने में लगाना महागठबंधन के नेताओं को भी नहीं पच रहा था। बस, आवाज नहीं उठ रही थी क्योंकि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने कमान संभाल रखी थी।

चौथी गलती : चुनाव की घोषणा हो गई, लेकिन सीटें नहीं बांट सके

लोकसभा चुनाव में लालू प्रसाद यादव अपनी पाटी– राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं को बगैर कांग्रेस से सीट बंटवारा हुए ही सिम्बल बांटा था। राहुल गांधी ने फरवरी में सक्रियता दिखाते हुए बताया कि इस बार ऐसा नहीं होगा। कांग्रेस 243 में 75 से ज्यादा सीटें लेने की जिद पर अड़ी रही। इस कारण महागठबंधन में कई दलों को प्रवेश भी नहीं मिला।

महिला डॉक्टर से बैड टच, पीछे से हाथ भी मारा

प्रयागराज में स्कूटी सवार ने की छेड़खानी, एसआरएन हश्वस्पिटल से ड्यूटी करके लौट रहीं थीं

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में ड्यूटी से लौट रही महिला डॉक्टर से स्कूटी सवार युवक ने बैड टच किया। फिर उसके पीछे हाथ मारा। युवती और उसकी दोस्त ने इस हरकत का विरोध किया। दोनों चिल्लाए लेकिन आरोपी फरार हो गया। पीड़ित जूनियर डॉक्टर ने कहा– इस घटना के बाद वे काफी डर गए। किसी तरह खुद को संभाला और फोन कर अपने साथी डॉक्टर्स को बताया। घटना गुरुवार देर रात की जार्जटाउन के चिंतामणि रोड पर विंटेज हट के सामने की है। पीड़ित डॉक्टर की तहरीर के बाद शुक्रवार को जॉर्जटाउन थाने में FIR दर्ज की गई। थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह बताया– आरोपी को चिह्नित करने की कोशिशें जारी हैं। सीसीटीवी फुटेज खंगालने के लिए 2 टीमें गठित की गई हैं। महिला डॉक्टर ने तहरीर में बताया– मैं SRN हॉस्पिटल में जूनियर डॉक्टर हूं। गुरुवार, 13 नवंबर को रात में करीब 9 बजकर 50 मिनट पर ड्यूटी खत्म होने के बाद मैं अपने दोस्त के साथ घर जा रही थी। जब मैं जार्जटाउन के चिंतामणि रोड पर विंटेज हट के सामने पहुंचीं, तभी एक सफेद जैकेट पहने स्कूटी सवार युवक पीछे से आया। उसने चलती स्कूटी से पीछे से मुझे बैड टच किया। फिर हाथ भी मारा। अचानक हुए इस हमले से हम दोनों डॉक्टर डर गए। उसकी हरकत पर जोर से हम दोनों चिल्लाए। जबतक कोई कुछ कर पाता वह अपनी स्कूटी की स्पीड तेज कर भाग गया। छेड़खानी से डरी जूनियर डॉक्टर ने इस घटना की जानकारी अपने साथियों को दी। फिर वह रात में ही जार्जटाउन थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी। पुलिस ने तहरीर मिलने के बाद शुक्रवार को एफआईआर दर्ज कर ली। पुलिस के अनुसार, घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि आरोपी की पहचान की जा सके। जार्जटाउन थाने के इंचार्ज संतोष कुमार सिंह ने कहा– आरोपी को चिह्नित करने की कोशिशें जारी हैं। फुटेज खंगालने के लिए दो टीमें गठित की गई हैं। एसआरएन अस्पताल में तैनात डॉक्टरों और जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन ने घटना पर आक्रोश व्यक्त किया है। एसोसिएशन ने कहा कि ड्यूटी के बाद देर रात घर लौटना पहले से ही चुनौतीपूर्ण है, ऐसे में सुरक्षा इंतजाम मजबूत किए जाने की जरूरत है। नाईट शिफ्ट करने वाले डॉक्टर्स, विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

प्रयागराज में सप्लाई इंस्पेक्टर 10 हजार घूस लेते गिरफ्तार

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में एंटी करप्शन टीम ने सप्लाई इंस्पेक्टर को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ लिया। आरोपी सप्लाई इंस्पेक्टर कोटा संचालक से हर महीने पैसे मांग रहा था। वह फर्जी शिकायतें निपटाने और दुकान बचाने के नाम पर दबाव बना रहा था। शिकायत की जांच के बाद टीम ने झूंसी में एक सब्जी की दुकान पर ट्रैप लगाया। तय स्थान पर पहुंचकर जैसे ही सप्लाई इंस्पेक्टर ने रुपए लिए, टीम ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे थाना झूंसी लाया गया। बसनाखास गांव के कोटा संचालक राजमनी ने एंटी करप्शन में शिकायत दी थी कि सप्लाई इंस्पेक्टर नंद किशोर यादव दुकान पर आने वाली फर्जी शिकायतों को निपटाने और कोटा बचाने के नाम पर 10 हजार रुपए महीना मांग रहा है। उसने 7 और 13 नवंबर को प्रयागराज स्थित एंटी करप्शन ऑफिस में लिखित शिकायत की थी। शिकायत सही मिलने पर टीम ने 14 नवंबर को ट्रैप लगाया। योजना के तहत राजमनी ने आरोपी को झूंसी स्थित आवास विकास कॉलोनी योजना–3, लेबर चौराहा की एक सब्जी दुकान पर पैसे लेने बुलाया। जैसे ही नंद किशोर ने 10 हजार रुपए लिए, टीम ने उसे सुबह 9रू12 बजे दबोच लिया। गिरफ्तार सप्लाई इंस्पेक्टर को थाना झूंसी ले जाकर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

प्रयागराज में रोड एक्सीडेंट में 2 महिलाओं की मौत

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के हंडिया थाना क्षेत्र के हाकिमपट्टी गांव में देर रात एक तिपहिया वाहन अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराया। हादसा इतना भीषण था कि वाहन में सवार दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक पुरुष और एक 10 वर्षीय किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तुरंत अस्पताल भिजवाया।

उत्तर मध्य रेलवे

No. 146-Med/San/EOI/MZP/2025 दिनांक : 13.11.2025

Expression of Interest

Expression of Interest is required for conducting Pathology, Radiology, and USG tests at CGHS rates for 02 years for patients of Health Unit, Mirzapur NCR, from authorized laboratory, as per terms and conditions at Health Unit, Mirzapur NCR, by **05 PM till 20.11.2025**.

निविदा सं. एवं तिथि: No.H-MED/investigation/pathology/MZP/2025 Dated:-13.10.2025, **कार्य का नाम:** Routine urine examination, Routine stool examination, Hb, TLC, DLC, ESR, CBC, CRP, Platelet Count, Malaria Parasite, Widal, Dengue NS 1 Ag, Denue IgM and IgG, Chikungunya (old rate), Blood Sugar (F/PP/Random), HbAIc, RFT, Urea, Creatinine, Uric Acid, Calcium, Bilirubin, Alkaline Phosphate, LFT, Total Protein, Albumin, Globulin, AG Ratio, SGOT, SGPT, Lipid Profile, Total Cholesterol, Triglyceride, LDL, HIV, HCV, HBsAg, T3T4TSH, Blood Group & RH Type, Blood Alcohol test (old rate), Rheumatoid Factor test., **X-Ray-** CHEST, LIMBS, Abdomen (Standing or spine one film), **USG Whole abdomen** USG Foetal well-being, Biophysical score.

अनुमानित लागत (₹ में): ₹ 30,000/- per month	**निविदा शुल्क (₹ में):** ₹ 0.00
अमानत राशि (₹ में): ₹ NIL	**अनुबंध समापन की अवधि:** 02 Year
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 20.11.2025 At 17:00 hrs.	

नोट: पूर्ण विवरण एवं निविदा हेतु रुचि दर्ज करने के लिए कृपया मिर्जापुर स्वास्थ्य केन्द्र में सम्पर्क करें। **2170/25 (MG)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा के लिए सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज, द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है, जिसका विवरण निम्नलिखित है :-

ई टेंडर निविदा सूचना संख्या: GEM/2025/B/6883529 Dated: 12.11.2025

कार्य का नाम-प्रयागराज मण्डल के नैनी गुड्स शेड की व्यापक यंत्रीकृत सफाई, झाड़ू लगाना, पोछा लगाना, कूड़ा उठाना, कचरा संग्रहण और निपटान आदि के साथ कीटाणुशोधन सेवा हेतु 03 वर्षों के लिए निविदा।

निविदा सिस्टम: डबल पैकेट सिस्टम	**ठेके की अवधि:** तीन वर्ष
कार्य का अनुमानित लागत (जी.एस.टी. सहित): रु.7253600.77	**धरोहर राशि:** रु.145100/-

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 08.12.2025, 15:00, निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 08.12.2025, 15:30, नोट: 1. उपरोक्त ई निविदा का पूरा विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) **Gem** वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट **www.gem.gov.in** पर टेंडर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। 2. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडरो को चाहिए कि वे अपने आपको **Gem** की वेबसाइट पर पंजीकृत कराये। 3. संलग्न किये जाने वाले सभी दस्तावेज निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। 4. ई निविदा फार्म सभी निविदाकारों को निशुल्क जारी किये जायेगें। 5.किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए **Gem** की वेबसाइट की हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। **2156/25 (D)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

कमरे में मिला खून से लथपथ महिला का शव

गले में गहरे जख्म, पास में पड़ा मिला चाकू, प्रयागराज पुलिस पति से कर रही पूछताछ

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में महिला ने चाकू से अपना गला काट लिया। पति का फोन न उठाने पर मकान मालिक उसे बुलाने गया। मकान मालिक ने दरवाजा खटखटाया और आवाज दी। मगर महिला ने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद पति आया। उसने दरवाजे की कुंडी तोड़ी। देखा कि महिला फर्श पर पड़ी थी। उसके गले में चाकू से काटने के निशान थे। पास में ही चाकू पड़ा था।

मकान मालिक की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची। पुलिस ने पति को हिरासत में लेकर डेडबॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना बारा थाना क्षेत्र की है।

बारा में किराए के मकान में रोहित द्विवेदी अपनी पत्नी

सुषमा द्विवेदी के साथ रहते हैं। रोहित एनटीपीसी बारा पावर प्लांट में सुरक्षा गार्ड हैं। शुक्रवार दोपहर लगभग 12 बजे रोहित ने अपनी पत्नी को फोन किया। लेकिन सुषमा ने कॉल का जवाब नहीं दिया।

रोहित ने मकान मालिक संतोष गुप्ता से संपर्क किया। मकान मालिक ने बताया कि पत्नी दरवाजा नहीं खोल रही है। इसके बाद रोहित मौके पर पहुंचे। उसने धक्का देकर दरवाजे की कुंडी तोड़ दी। अंदर देखा तो सुषमा खून से लथपथ कमरे के फर्श पड़ी थी।

उसके गले में निशान थे। पास में ही चाकू पड़ा हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही बारा थाना प्रभारी वीरेंद्र सोनकर मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में घरेलू विवाद की आशंका जताई जा रही है। सुषमा और रोहित की शादी लगभग पांच वर्ष पूर्व हुई थी और वे किराए के मकान में रहकर अपना जीवन यापन कर रहे थे।

मायके पक्ष के अनुसार, पति–पत्नी के बीच पिछले कई महीनों से अनबन चल रही थी। पड़ोसियों और स्थानीय लोगों की मानें तो घरेलू माहौल में तनाव लंबे समय से बना हुआ था। पुलिस घटना स्थल पर मौजूद है और पति रोहित को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही हैं।

डीएलएड में एडमिशन के लिए 24 नवंबर से कराएं रजिस्ट्रेशन

17 फरवरी से चलेंगी कक्षाएं, पीएनपी के प्रस्ताव पर शासन ने दी अनुमति

प्रयागराज (संवाददाता)। डीएलएड–2026 में एडमिशन के लिए 24 नवंबर से रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो रही है। उत्तर प्रदेश परीक्षा नियामक प्राधिकारी (पीएनपी) के प्रस्ताव पर शासन से अनुमति दे दी है। स्टेंट रैंक के आधार पर 2 चरणों में एडमिशन की प्रक्रिया 16 फरवरी–2026 तक पूरी की जाएगी और 17 फरवरी से कक्षाएं संचालित होंगी।

PNP सचिव अनिल भूषण चतुर्वेदी ने एडमिशन लेने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजकर अनुमति मांगी थी। 12 नवंबर को अनुमति मिल गई। अब प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन लेने के संबंध में पीएनपी सचिव 18 नवंबर को समयसारिणी जारी करेंगे।

दरअसल,पिछले दिनों हाई कोर्ट ने डीएलएड में इंटरमीडिएट योग्यता के आधार पर प्रवेश लेने के निर्देश दिए थे, जबकि पीएनपी स्नातक योग्यता के आधार पर प्रवेश लेता रहा है। ऐसे में हाई कोर्ट के आदेश के विरोध में सरकार की ओर से पीएनपी ने अपील दाखिल की। डबल बेंच ने स्नातक योग्यता पर प्रवेश को सही माना और इसी अनुरूप प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए।

अब 24 नवंबर से आनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू होगी, जो 15 दिसंबर तक चलेगी। आनलाइन

शुल्क 16 दिसंबर तक जमा होंगे। आनलाइन आवेदन पूर्ण कर प्रिंट लेने की अंतिम तिथि 18 दिसंबर है। आवेदकों की मेरिट के आधार पर स्टेट रैंक का प्रकाशन 23 दिसंबर को किया जाएगा। प्रथम चरण की काउंसलिंग में वर्गवारध्श्रेणीवार मेरिट क्रम में सीटों के सापेक्ष अभ्यर्थियों से 26 दिसंबर–2025 से 16 जनवरी 2026 तक आनलाइन विकल्प लिए जाएंगे।

नैनी पुल से कूदने पहुंची युवती को महिला ने बचाया

मौके पर भीड़ जुटी, पुलिस को सौंपा, परिजनों से पूछताछ

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के नए यमुना पुल पर गुरुवार शाम बड़ा हादसा टल गया। भीड़ के बीच एक युवती नदी में छलांग लगाने की कोशिश कर रही थी। तभी मौके पर मौजूद एक महिला ने तेजी दिखाते हुए उसे पकड़ लिया। महिला ने युवती को शांत कराया और काफी देर तक संभाले रखा। थोड़ी ही देर में पुलिस भी पहुंच गई। युवती को सुरक्षित थाने ले जाया गया, जहां उसके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। प्रयागराज के नए यमुना पुल पर उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब एक युवती आत्महत्या के

इरादे से पुल की रेलिंग के पास पहुंच गई। वह नदी में छलांग लगाने ही वाली थी कि ठीक उसी वक्त वहां मौजूद एक महिला ने दौड़कर उसे पकड़ लिया और नीचे गिरने से बचा लिया। महिला ने घबराई हुई युवती को अपने सीने से लगाकर शांत करवाने की कोशिश की।

घटना देखते ही पुल पर भारी भीड़ जुट गई। लोग युवती की पहचान और उसके घर–परिवार के बारे में जानकारी लेने की कोशिश करते रहे। इस बीच महिला ने तुरंत नैनी पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम के पहुंचने पर उसने युवती को उनके हवाले कर दिया।

फिलहाल पुलिस युवती से पूछताछ कर यह जानने की कोशिश कर रही है कि वह आत्महत्या की कोशिश क्यों कर रही थी और वह कहां की रहने वाली है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

20 साल से लापता युवक परिवार से मिला, प्रयागराज के काल्विन अस्पताल में इलाज के दौरान हुई पहचान

प्रयागराज (संवाददाता)। मध्य प्रदेश के राजू चौहान 20 साल पहले अपनों से बिछड़ चुके थे। 20 सालों तक वह इधर उधर भटकते रहे। आखिरकार आज शुक्रवार को अपने परिवार के बीच पहुंच गए। उनके भाई उन्हें लेने के लिए अस्पताल पहुंचे थे। सभी उन्हें अपने साथ घर वापस ले गए।

दरअसल, मानसिक रूप से कुछ डिस्टर्ब होने की वजह से वह अपने घर वापस नहीं जा पा रहे थे। पिछले दिनों गंभीर स्थिति में प्रयागराज के मोतीलाल नेहरू मंडलीय अस्पताल में उन्हें भर्ती कराया गया। इलाज शुरू हुआ और धीरे–धीरे जब उन्हें आराम मिला तो वह अपने घर का एड्रेस बता सके। जब अपने परिवार वालों को देखे तो वह भावुक हो गए।

काल्विन अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एसके चौधरी ने बताया कि 4 अगस्त 2025 को अस्पताल के सुरक्षा गार्ड द्वारा एक लावारिश और गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को भर्ती कराया गया था। मरीज की हालत बेहद नाजुक थी, इसलिए तुरंत चिकित्सकों की टीम ने उसका इलाज शुरू किया।

परीक्षण के दौरान कई शारीरिक समस्याएं सामने आईं, जिनका व्यवस्थित इलाज किया गया। इलाज के बाद जब मरीज की स्थिति में सुधार हुआ, तब उन्होंने अपना नाम राजू और पता मध्य प्रदेश के पटेलाबाद थाना क्षेत्र का बताया। अब वह पूरी तरह स्वस्थ हैं और घर लौट रहे हैं।

NGO चलाने वाले गौरव वलेचा ने बताया कि "उनकी संस्था को अस्पताल से सूचना मिली थी कि सड़क पर एक बीमार व्यक्ति मिला है, जिसे काल्विन अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों द्वारा इलाज शुरू होने के बाद जब मरीज ने अपनी पहचान बताई, तो एनजीओ ने तुरंत उसका वीडियो बनाकर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री और पटेला बाद थाना पुलिस को भेजा। वीडियो सोशल

मीडिया पर वायरल होने के बाद उनके परिजन तक सूचना पहुंची और उन्होंने हमारे एनजीओ से संपर्क किया।"

बिहार में एनडीए आगे, प्रयागराज में जश्न शुरू

बीजेपी कार्यालय में उत्सव, कार्यकर्ता ढोल नगाड़ों पर थिरके, 2027 में जीत का दावा

प्रयागराज (संवाददाता)। बिहार विधानसभा चुनाव के शुरुआती रुझानों में एनडीए को मिल रही बढ़त का असर पूरे प्रदेश में दिख रहा है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में भी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया। एनडीए

की जीत के संकेत मिलते ही संगम नगरी के बीजेपी कार्यालय में जश्न का माहौल बन गया। बीजेपी महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता की अगुवाई में पार्टी कार्यालय में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्र हुए और विजय के नारे लगाए। संजय गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि बिहार में एनडीए की बढ़त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विकासवादी नीतियों की जीत है। उन्होंने यह भी दावा किया कि बिहार के इन नतीजों का सीधा असर 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव पर पड़ेगा, जहां बीजेपी लगातार तीसरी बार प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी। फूलपुर से बीजेपी विधायक दीपक पटेल भी बिहार से आए उत्साहजनक रुझानों पर काफी उत्साहित दिखे। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रचार के दौरान वे बिहार के गोपालगंज क्षेत्र में मौजूद थे और वहां जनता का आशीर्वाद स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। पटेल ने दावा किया कि गोपालगंज की सभी छह सीटों पर भाजपा निर्णायक जीत दर्ज कर रही है, जो वहां की जनता के विश्वास का सबसे बड़ा प्रमाण है। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश गुप्ता ने भी बिहार चुनाव में एनडीए की बढ़त को केंद्र और राज्य की सरकारों की सफल नीतियों का परिणाम बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को जीत की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। उनके अनुसार, यह परिणाम एक बार फिर साबित करते हैं कि जनता विकास और सुशासन की राजनीति के साथ है।

हाईकोर्ट ने कहा–पुलिस पर हमला यूपी सरकार पर हमला

बरेली बवाल के दौरान सिर तन से जुदा का नारा लगाने वाले मुख्य आरोपी की याचिका खघरिज

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बरेली में जुलूस निकालने के दौरान सिर तन से जुदा का नारा लगाने और पुलिस पर हमला करने की घटना को गंभीरता से लिया। हाईकोर्ट ने कहा कि पुलिस पर हमला करने का मतलब राज्य पर हमला करना है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति अजय भनोट एवं न्यायमूर्ति

गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने घटना के मुख्य आरोपी अदनान व एक अन्य याचिका खारिज करते हुए की। इससे पूर्व कोर्ट इसी मामले के गौहर खान व शाकिब जमाल की याचिका खारिज कर चुकी है। अपर महाधिवक्ता व अपर शासकीय अधिवक्ता प्रथम ने याचिका का विरोध किया। अपर महाधिवक्ता ने कहा कि आरोपियों ने न सिर्फ उन्मादी नारे लगाए बल्कि पुलिस पर हमला किया, जिससे दो कॉन्स्टेबलों को चोट आई। उनकी वर्दी भी फाड़ दी गई। भीड़ में शामिल लोग बड़ी घटना को अंजाम देने की कोशिश में थे और याची उनका नेतृत्व कर रहा था। मामले के तथ्यों के अनुसार कानपुर में आई लव मोहम्मद मामले को लेकर की गई कार्रवाई के विरोध में 26 सितंबर को आईएमसी के मौलाना तौकीर रजा के आह्वान पर इस्लामिया कॉलेज ग्राउंड पर प्रदर्शन करने के लिए जुलूस निकाला गया। जुलूस में शामिल लोग सिर तन से जुदा के आपत्तिजनक नारे लगा रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोका तो भीड़ हमलावर हो गई और पुलिसकर्मियों से मारपीट की गई। पुलिस ने इस मामले में 52 नामजद व कई अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। याचियों के वकील का कहना था कि याची घटना में शामिल नहीं थे। उन्हें बाद में इस मामले में झूठा फंसाया गया है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस का काम राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने का है यदि पुलिस पर हमला किया जाता है तो उसका अर्थ है राज्य पर हमला। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि ऐसे मामले में प्राथमिकी रद्द नहीं की जा सकती। प्रथम दृष्टया आरोप गंभीर हैं और इसमें विवेचना की जरूरत है। साथ ही प्राथमिकी रद्द करने का कोई आधार नहीं है।

यूपी बार काउंसिल के चुनाव को नामांकन शुरू

प्रयागराज (संवाददाता)। यूपी बार कौंसिल के 25 सदस्यों के चुनाव के लिए नामांकन शुक्रवार से शुरू हो गया। इस बीच कौंसिल के इतिहास में पहली बार चुनाव से पहले मतदाता अधिवक्ताओं की डिग्रियों और शैक्षिक प्रमाणपत्रों का सत्यापन कराया गया है। इनमें सबसे पहले निवर्तमान सदस्यों के शैक्षिक प्रमाणपत्रों व डिग्रियों का सत्यापन हुआ और सभी के प्रपत्र सही पाए गए हैं।

यह जानकारी यूपी बार कौंसिल के सचिव व चुनाव अधिकारी राम किशोर शुक्ल ने गुरुवार को दी। उन्होंने बताया कि वेरीफिकेशन प्रकिया के तहत अधिवक्ताओं के वेरीफिकेशन डेक्लेरेशन फार्म में लगी डिग्रियों के सत्यापन के शैक्षिक अंक पत्रध्प्रमाण पत्र विभिन्न बोर्डध्विश्वविद्यालयध्महाविद्यालयों को प्रेषित किए गए और प्रेषित उक्त प्रपत्रों में लगभग 70 प्रतिशत डिग्रियों

का सत्यापन पूर्ण हो चुका है और सही पाया गया है। 30 प्रतिशत डिग्रियों का सत्यापन नहीं हो पाया है। लेकिन 31 जनवरी तक प्रत्येक दशा में बार कौंसिल का चुनाव कराने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के क्रम में उन 30 प्रतिशत अधिवक्ताओं का नाम भी मतदाता सूची में शामिल किया गया है।

संक्षिप्त

बिहार में जारी मतगणना के बीच बोले केशव मौर्य– न जंगलराज, न कट्टाराज, केवल सुशासन राज

लखनऊ, संवाददाता। बिहार विधानसभा चुनाव में जारी मतगणना के बीच उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और बिहार के सह प्रभारी केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि बिहार की जनता ने जंगलराज, कट्टाराज और गुंडाराज को दरकिनार कर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विकास के मॉडल को अपनाया है। मौर्य ने एक्स पर लिखा , मतगणना के रुझान से साफ है कि बिहार की जनता का रूख साफ है– न जंगलराज, न कट्टाराज, न गुंडाराज, न तुष्टिकरण, न परिवारवाद, न घोटाला, न भ्रष्टाचार, न अहंकार और न ही जातिवाद। उन्होंने कहा बिहार को आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में केवल सुशासन, विकास और पारदर्शी नेतृत्व ही स्वीकार है। राजद–कांग्रेस एंड कंपनी का मॉडल सिर्फ धोखा है। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों की तस्वीर साफ होती दिख रही है। चुनाव आयोग के रुझानों के अनुसार, भाजपा 82, जदयू 75, लोजपा 22 समेत अन्य सहयोगी दलों को मिला कर राजग 186 सीटों पर आगे चल रही है। माना जा रहा है कि 3–4 बजे तक ही कुछ साफ हो पाएगा कि इस बार बिहार में हुई बंपर वोटिंग राजग को बनाए रखने के लिए हुई है या फिर तेजस्वी यादव की सरकार लाने के लिए हुई हैं। पिछले चुनाव की सबसे बड़ी पार्टी रही आरजेडी इस बार पिछड़ गई है और इनके बढ़त का आंकड़ा 50 से नीचे खिसक गया। साथी कांग्रेस भी कमजोर कड़ी के रूप में नजर आ रही है। हालांकि यह सब शुरुआती रुझान हैं, और काउंटिंग आगे बढ़ने के साथ तस्वीर बदल भी सकती है।

हक की लड़ाई लड़ेंगे तभी बदलाव होगा–संजय

लखनऊ, संवाददाता। आप सांसद संजय सिंह के नेतृत्व में चल रही सरयू से संगम तक श्रोजगार दो,सामाजिक न्याय दोश्पदयात्रा का बीकापुर क्षेत्र में पहुंचने पर जगह–जगह स्वागत किया गया।शुक्रवार को अयोध्या की बीकापुर तहसील गेट पर अधिवक्ताओं और ग्रामीणों ने यात्रा का स्वागत किया। सांसद संजय सिंह ने बताया कि पदयात्रा का उद्देश्य युवाओं सहित समाज के सभी वंचित वर्गों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि जब तक लोग एकजुट होकर अपने हक की लड़ाई नहीं लड़ेंगे,तब तक बदलाव संभव नहीं है। मौजूदा सरकार लोगों को धर्म के नाम पर बांटकर असली मुद्दों रोजगार, किसानों की समस्याओं और सामाजिक न्याय से ध्यान भटकाने का काम कर रही है। दलित, पिछड़े, किसान और युवा अपने को आज ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। यह देश संविधान की मूल भावना के अनुसार ही चलेगा। पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें संघर्ष के लिए एकजुट करना है। स्वागत कर्ताओं में इमरान खान, मनोज मिश्रा, दिलीप वर्मा सहित कई स्थानीय लोग मौजूद रहे।

प्रोविजन स्टोर में लगी भीषण आग, दमकल की गाड़ियों ने 1 घंटे के पाया काबू

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के कैसरबाग थाना क्षेत्र स्थित एक प्रोविजन स्टोर में अचानक भीषण आग लग गई। रात करीब 3 बजे इसकी जानकारी कंट्रोल रूम पर दी गई। सूचना पर हजरतगंज फायर स्टेशन से दमकल की 2 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर बिग्रेड ने करीब 1 घंटे में आग पर काबू पाया। पुलिस के मुताबिक, गुलामी कसाई मस्जिद के सामने रोड पर स्थित प्रोविजन स्टोर में आग लगी थी। स्टोर महेश साहू का है। जब दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे तो देखा कि दुकान के भीतर सामान धधक रहा था। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दुकान का लोहे का शटर भी गर्म होकर पूरी तरह लाल हो चुका था। आग तेजी से फैल रही थी और आसपास की दुकानों तक पहुंचने का खतरा बढ़ गया था। स्थिति की गंभीरता देखते हुए फायरकर्मियों ने आग को चारों दिशाओं से घेरकर काबू करने का प्रयास शुरू किया। टीम ने करीब एक घंटे तक लगातार ऑपरेशन चलाया। दमकलकर्मियों की मुस्तैदी के कारण आग को पूरी तरह बुझा लिया गया। पास की अन्य दुकानों को नुकसान से बचा लिया गया। टीम कुछ देर और देर से पहुंचती तो आग फैलकर बड़ा हादसा बन सकती थी। हालांकि, दुकान में रखा सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया, लेकिन किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। प्रारंभिक जांच में आया है कि शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी थी।

सीने में दर्द उठा,ड्यूटी के दौरान हेड कॉन्स्टेबल की मौत

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ पुलिस लाइन में तैनात हेड कॉन्स्टेबल की मौत हो गई। शुक्रवार सुबह उनके सीने दर्द उठा। साथी पुलिसकर्मियों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक हेड कॉन्स्टेबल की पहचान रामपाल पांडेय (58) के रूप में हुई। रामपाल मूलरूप से अमेठी के नरहरपुर के रहने वाले थे। वह महानगर पुलिस लाइन में तैनात थे। पास में ही किराए के मकान में रहते थे। मौजूदा समय में उनकी ड्यूटी निरालानगर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में लगी थी। इसके पहले वह मंत्री दया शंकर सिंह की सुरक्षा में तैनात थे। परिजनों के मुताबिक, सुबह रामपाल के साथी ने बेटे अमित को फोन किया। बताया कि ड्यूटी के दौरान अचानक रामपाल के सीने में तेज दर्द हुआ है। उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा है। लखनऊ पहुंचने पर परिवार को पत चला कि उन्हें मृत घोषित किया जा चुका। अचानक हुई इस घटना से परिवार सदमे में है। घर में पत्नी ज्ञान पांडेय और तीन बेटे नीरज, अमित और शैलेंद्र हैं। पुलिस विभाग ने हेड कॉन्स्टेबल के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

बिहार चुनाव में भाजपा की बढ़त पर नगर निगम में जश्न,मेयर सुषमा खर्कवाल ने बांटे लड्डू

लखनऊ, संवाददाता। बिहार विधानसभा चुनाव के रुझानों में भाजपा की बढ़त पर नगर निगम में जश्न मनाया गया है। मेयर सुषमा खर्कवाल ने नगर निगम मुख्यालय में लड्डू बांटे। मौके पर पार्षदों ने मेयर सुषमा खर्कवाल को लड्डू भी खिलाया। इस दौरान भारत माता की जय, भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद के नारे भी लगाए गए। मुख्यालय में भाजपा के पार्षदों ने पार्टी का झंडा भी लहराया। बधाई हो बधाई हो जीत की बधाई हो के साथ मोदी, योगी सुषमा खर्कवाल के नारे लगे। मौके पर कार्यकर्ताओं ने मेयर को गुलदस्ता भी दिया। मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि भाजपा सरकार में लगातार जनता के हित में काम हो रहा है।

मध्यकालीन भारत के इतिहासकार एवं उनके इतिहास लेखन पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज। मध्यकालीन इतिहास विभाग, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज के द्वारा दिनांक 14ध् 11ध्2025 को ष मध्यकालीन भारत के इतिहासकार एवं उनके इतिहास लेखनष विषय पर विशिष्ठ व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ ताबीर कलाम, प्रोफेसर, इतिहास विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस ने मध्यकालीन इतिहास लेखन के विकास, स्वरूप विशेषता तथा मध्यकालीन इतिहासकारों की इतिहास दृष्टि, भारतीय इतिहास लेखन के प्रति यूरोपीय दृष्टिकोण तथा मध्यकालीन इतिहास के गौण स्रोत जैसे मक्तूबात एवं मल्फूजात, इत्यादि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इतिहास लेखन मे पूर्वाग्रह से बचना चाहिए।

उन्होंने स्रोतों के साथ–साथ इतिहासकारों को जानने, समझने और परखने की आवश्यकता पर जोर दिया ।

कार्यक्रम का मंच संचालन शोधार्थी विनय कुमार हिंद तथा विभाग के संयोजक डॉ.नीरज सिंह ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया। धन्यवाद ज्ञापन श्रेया पांडेय द्वारा दिया गया। व्याख्यान के अवसर पर डॉ . मुनींद्र शुक्ला, डॉ.अखिलेश यादव,डॉ. विजय कुमार , डॉ. अंशु, शोध छात्र मीनाक्षी , प्रियांशु, चंद्रहास , प्रकाश, हेमंत, नंदिता, शिवांगी के साथ–साथ अनेक विद्यार्थी उपस्थित थे।

इंदौर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

इंदौर । शहर समता विचार मंच इंदौर इकाई नवंबर माह की काव्य गोष्ठी बाल दिवस के उपलक्ष्य में आशा जाकड़ के संयोजन में काव्य गोष्ठी सफलतापूर्वक संपन्न।

कार्यक्रम अध्यक्ष उमा मिश्रा की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि अनीता दुबे एवं विशिष्ट अतिथि डॉ साधना शुक्ला।

काव्य गोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना शशि निगम द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन शोभा रानीतिवारी ने किया।इस काव्य गोष्ठी में सखियों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति दी।

डा.अंजुल कंसल,संतोष तोषनीवाल,डा. शशिकला अवस्थी,नीलू सक्सैना,संध्या राने , नीति अग्निहोत्री ,डॉ शशि निगम, लता सेनध्, ऊषा यादव ,सीता सेन, प्रभा तिवारी, हेमा जैन,सुषमा शुक्ला, शोभा रानी तिवारी , सुनीता संतोषी ,गायत्री शर्मा और श्रुति चौधरी,आदि की सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें , धन्यवाद ज्ञापन डा. अंजुल कंसल ने किया।

नीतीश ने फिर जीता बिहार और देश की जनता का दिल-जद यू

लखनऊ, संवाददाता। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व एवं भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में एनडीए को मिले स्पष्ट बहुमत पर जनता दल यूनाइटेड उत्तर प्रदेश के प्रदेश कार्यालय लखनऊ में पार्टी के पदाधिकारियों ने ढोल नगाड़े और पटाखों फुलझडियो के साथ अबीर और गुलाल उड़ाते हुए एक दूसरे को मिष्ठान वितरण करते एवं एक दूसरे को बधाई देते हुए शानदार तरीके से जश्न मनाया और सभी ने बिहार की जागरूक जनता को धन्यवाद और बधाई देते हुए कहा कि एनडीए की शानदार जीत का श्रेय नीतीश कुमार सरकार के 20 वर्ष के सुशासन एवं न्याय के साथ विकास की अवधारणा के साथ बिहार में कराए गए जनकल्याणकारी कार्यों एवं केन्द्र सरकार के मुखिया नरेंद्र मोदी जी के सहयोग को जाता है।बिहार चुनाव में मिली बड़ी जीत से उत्तर प्रदेश जनता दल यूनाइटेड उत्तर प्रदेश के कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है और इसका प्रभाव उत्तर प्रदेश 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में भी पड़ेगा और उत्तर प्रदेश में भी एनडीए सरकार बनेगी। इस अवसर पर कार्यालय पर पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष प्रशान्त सिंह, प्रदेश महासचिव भैया हरि शंकर जी पटेल, प्रदेश महासचिव सुभाष पाठक, प्रदेश कोषाध्यक्ष अमर सिंह कटियार , प्रदेश प्रवक्ता कुंवर अजय सिंह, प्रदेश सचिव अजीत त्रिपाठी, शिवम मिश्रा,प्रदेश कार्यालय प्रभारी ओम प्रकाश वर्मा , पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ जितेन्द्र सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष नंदन, व्यापार प्रकोष्ठ अध्यक्ष पवन गुप्ता, बाराबंकी जिला अध्यक्ष नितेश प्रकाश,रजत वर्मा,पूर्वांचल विकास परिषद के सदस्य बौद्ध अरविन्द पटेल,एच एन सिंह, आशुतोष पटेल, बृजभूषण राय, अनिल पटेल,शिव प्रताप पटेल, अर्पित पटेल, राकेश सिंह, लखनऊ जिला अध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष धनंजय तिवारी, जिला महासचिव वैभव सक्सेना, जिला सचिव आल्विन, सरोजिनी नगर विधानसभा अध्यक्ष मुकेश पाण्डेय, लखनऊ महानगर अध्यक्ष मंजर अब्बास,सुनील पटेल, पूजा वर्मा, फूल चन्द्र आर्या ,किरन द्विवेदी,आयुष रावत, आदित्य सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

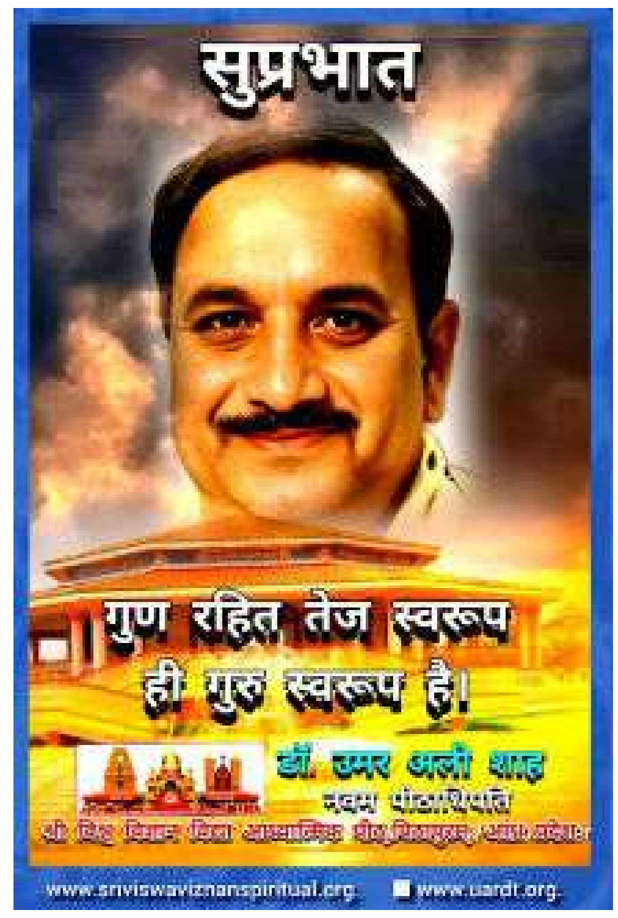

गेंदा की कलियाँ

अंग्रेजी कहती जिसे, फ्लावर मैरीगोल्ड।
संस्कृत में स्थूलपुष्प, हिंदी गेंदा ओल्ड।
हिन्दी गेंदा ओल्ड, दिव्य आभा का मालिक।
हरि–सा कर व्यवहार, अर्थ समझाता खघलिक।
सुन लो कहें प्रदीप, न है भाषा– परहेजी।
रहते सदा प्रसन्न, बताती है अंग्रेजी।।

आभामंडल शुद्धकर, औषधि का धर रूप।
गेंदा की कलियाँ खिलें,जैसे खिलती धूप।
जैसे खिलती धूप,सदा लाती खुशहाली।
ऊर्जा से भरपूर, भुजाएँ हैं बलशाली।
सुन लो कहें प्रदीप, सभी का करके मंगल।
रहते हरि–नजदीक, बताता आभामंडल।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

केशव प्रसाद मौर्य ने किया सचिवालय डिस्पेंसरी में डिजिटल एक्स–रे का उद्घाटन

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सचिवालय डिस्पेंसरी में डिजिटल एक्स रे और अन्य आधुनिक उपकरणों का उदघाटन किया। उन्होंने कहा, डिजिटल एक्स–रे एवं नए उपकरणों की उपलब्धता से सचिवालय कर्मियों के उपचार में और अधिक सरलता व गुणवत्ता आएगी। सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को तकनीक–सक्षम बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। डिजिटल एक्स–रे मशीन के माध्यम से त्वरित इमेजिंग संभव होगी, जबकि लेन्सोमीटर एवं रिफ्लेक्शन यूनिट से नेत्र जांच की क्षमता में वृद्धि होगी। इससे सचिवालय के हजारों कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। उपमुख्यमंत्री ने चिकित्सा प्रकोष्ठ को निर्देशित किया कि उपकरणों का संचालन प्रशिक्षित स्टाफ द्वारा सुनिश्चित किया जाए और कर्मचारियों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जाएँ। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारी, चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि तथा सचिवालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

कूड़ा फेंकने के विवाद में पड़ोसी ने युवक को बेलचे से मार डाला, 6 महीने पहले ही हुई थी शादी

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के गुडंबा थाना क्षेत्र के आदिल नगर में शुक्रवार सुबह एक मामूली बात ने बड़ा रूप ले लिया। घर के बाहर कूड़ा फेंकने को लेकर हुए विवाद में 22 साल के युवक की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान मोहम्मद दानिश के रूप में हुई है। उसकी मौत से परिवार में मातम छाया है। सुबह करीब 7 बजे, दानिश और उसके पड़ोसी फारुख के बीच घर के बाहर कूड़ा फेंकने को लेकर कहासुनी शुरू हुई। बतौर परिजनों, बहस इतनी बढ़ गई कि फारुख अपने परिवार के सदस्यों के साथ लाठी–डंडे और बेलचा लेकर आ गया। दानिश के भाई और पिता ने बताया कि फारुख और उसके साथियों ने दानिश पर लगातार कई बार बेलचे से वार किए। हमले में दानिश बुरी तरह घायल होकर वहीं गिर पड़ा। परिवार वाले उसे तुरंत ट्रॉमा सेंटर ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। दानिश की शादी 6 महीने पहले तबस्सुम से हुई थी। दानिश अपने पिता मोहम्मद शबान, माता अब्दा और छोटे भाई वामिश के साथ मिलकर दूध की डेयरी चलाता था। परिवार अचानक हुए इस हादसे से सदमे में है।

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित
एवं सरायगनी ग्रामोद्योग संस्थान, प्रयागराज द्वारा आयोजित
गांधी शिल्प बाजार (राज्य)

भारत सरकार के प्रान्तों से हस्तशिल्पियों हथकरघा बुनकरों के उत्पादों की
प्रदर्शनी एवं बिक्री
इस अवसर पर आपकी गरिमामयी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है।
भारतीय हस्तशिल्प handicrafts
08 नवम्बर से 17 नवम्बर 2025
स्थान– 34 सी, कूपर रोड, बिग बाजार के ठीक पीछे वाला मैदान, सिविल लाइंस प्रयागराज

सम्पादकीय.......

धमाके के सुलगते सवाल

सुरक्षा की दृष्टि से चाकचौबंद मानी जाने वाली देश की राजधानी में लाल किले के पास हुए भीषण धमाके ने कई ज्वलंत सवालों को जन्म दिया है। सुरक्षा व्यवस्था के छिद्रों को पाटने की जरूरत के साथ चेताया है कि हमारी जरा सी चूक से आतंकवादियों को फिर से पांव जमाने का मौका मिल सकता है। अब जब मामले की जांच देश की शीर्ष खुफिया एजेंसियां कर रही हैं तो जांच के निष्कर्ष ही हकीकत बताएंगे। लेकिन धमाके का स्तर और उससे हुई जनधन की हानि चिंता बढ़ाने वाली है। निश्चित ही यह घटना एक बड़ी साजिश की ओर इशारा करती है। सवाल यह भी उठता है कि चाक–चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के बीच अपराधी कैसे इतनी बड़ी मात्रा में ज्वलनशील पदार्थ संवेदनशील इलाके में ले जाने में सफल हुए। प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार जम्मू–कश्मीर के रास्ते उत्तर प्रदेश व हरियाणा तक फैले कश्मीरी डॉक्टरों के एक समूह ने घटना को अंजाम दिया। इस घटनाक्रम ने पूरे देश को चौंकाया कि समाज में दूसरे भगवान का दर्जा पाने वाले डॉक्टर कैसे लोगों के चिथड़े उड़ाने वाले कृत्य को अंजाम दे सकते हैं? उनकी उस शपथ का क्या हुआ जो डॉक्टर पढ़ाई पूरी करने के बाद लोगों की जीवन रक्षा के लिए लेते हैं? अब तक यह मान्यता रही है कि आतंकवादी संगठनों से वे लोग ही जुड़ते हैं, जो कम पढ़े–लिखे होते हैं और विध्वंसकारी ताकतों के बहकावे में आकर आतंकवाद की राह में उतर जाते हैं। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से इस आतंक के स्लीपर सैल में डॉक्टरों के समूह का शामिल होना बेहद चिंता का विषय है। जो समाज के उस विश्वास को तोड़ता है कि डॉक्टर हमेशा जीवन देने वाला ही होता है। भविष्य में यह खतरनाक प्रवृत्ति अन्य व्हाइट कॉलर जॉब करने वाले समूह को भी घातक रास्ते पर ले जा सकती है। ऐसे में हमें लाल किले के निकट घटी घटना को गंभीरता से लेना चाहिए और आसन्न खतरे को महसूस भी करना चाहिए। बहरहाल, लाल किले के निकट की घटना एक आतंकी साजिश थी या बड़ी साजिश को अंजाम देने निकले अपराधियों की चूक से समय से पहले घटी घटना, ये एनआईए की जांच से ही पता चल सकेगा। लेकिन जो क्षति घटनास्थल पर हुई है वह किसी आतंकी घटना से कम तो नहीं है। बहरहाल, राष्ट्रीय राजधानी में हुई घटना के चलते भविष्य के खतरे के मद्देनजर सभी दृष्टिकोणों से मामले की जांच की जानी चाहिए। शायद इसी कारण से दिल्ली पुलिस ने यूएपीए, विस्फोटक अधिनियम व अन्य कठोर धाराओं में मामला दर्ज करके जांच का दायरा बढ़ाया गया है। लेकिन इस घटनाक्रम के बाद सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता के प्रश्न भी हमारे सामने हैं कि कैसे अपराधी इतनी भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ राजधानी में ले जाने में सफल हुए। जिसके चलते भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकने के लिये सभी जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए। याद रहे कि अतीत में भी कई बार दिल्ली को आतंक से दहलाने की कोशिशें हुई हैं। हमें उन घटनाओं से भी सबक लेने की जरूरत है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आतंकवाद के मामले में जरा सी चूक भी व्यापक क्षति का सबब बन सकती है। देश को अस्थिर करने की किसी भी साजिश को विफल बनाने और आम लोगों का जीवन सुरक्षित बनाने के लिये सख्त कदम उठाने की जरूरत है। इस नये टेरर मॉड्यूल के मद्देनजर भी निगरानी का दायरा बढ़ाने की जरूरत है। पता लगाने की जरूरत है कि कैसे अपराधी इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ वाया फरीदाबाद दिल्ली पहुंचाने में सक्षम बने। वैसे हाल के वर्षों में देश के भीतर आतंकी घटनाओं पर लगभग विराम लगा हुआ था, लेकिन हालिया घटना ने हमारी चिंताओं को बढ़ाया ही है। हमें आतंकवाद को बढ़ावा देने के हर प्रयास को सख्ती से कुचलने की जरूरत है। सजग और सतर्क खुफिया तंत्र इसमें निर्णायक भूमिका निभा सकता है। सरकार की कोशिश होनी चाहिए कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। साथ ही इस बात पर विचार करने की जरूरत है कि इस कांड में सीमा पार सक्रिय आतंकी संगठनों की भूमिका तो नहीं है। बिना बाहरी मदद के इतनी बड़ी साजिश को अंजाम देना सहज नहीं हो सकता। व्हाइट कॉलर आतंकी मॉड्यूल का पनपना हमारी गहरी चिंता का विषय भी होना चाहिए।

विस्फोट के बाद बेतुकी बयानबाजी

डॉ. दीपक पाचपोर

हर मुसलमान आतंकवादी नहीं होता, लेकिन हर आतंकवादी मुसलमान ही क्यों होता है, जैसे वाक्यों के जरिए बड़ी चालाकी से आतंकवाद को इस्लाम से जोड़ने की कोशिशें बरसों से हो रही हैं।

10 नवंबर को हुए दिल्ली बम धमाके के बाद देश में फिर डर और संदेह का माहौल बन गया है। जिस देश में हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, बौद्ध, यहूदी सब मिलजुल कर रहें, उसे तोड़ना मुश्किल होता है। इसके लिए जरूरी है कि देश में भीतरी दरारें बनाई जाएं, यह काम दो तरीकों से हो सकता है। पहला डर का माहौल और दूसरा परस्पर भरोसे को तोड़ना। इस समय देश में यही हो रहा है। हर मुसलमान आतंकवादी नहीं होता, लेकिन हर आतंकवादी मुसलमान ही क्यों होता है, जैसे वाक्यों के जरिए बड़ी चालाकी से आतंकवाद को इस्लाम से जोड़ने की कोशिशें बरसों से हो रही हैं। दाढ़ी, जालीदार टोपी, बुर्का ये सब संदेह के घेरे में डाल दिए गए हैं। याद पड़ता है कि कोरोना काल में एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी दैनिक ने कोरोना को आतंकवाद की तरह खतरनाक बताते हुए कार्टून प्रकाशित किया था, तो वायरस के मानवीकरण चित्रण में उसे पायजामे, जालीदार टोपी में दिखाया गया था। इसकी खूब निंदा भी हुई थी। लेकिन यह असल में समाज में भीतर तक पैठ चुकी सोच का सबूत है। जब पहलगाम हमला हुआ था, तो आतंकियों ने धर्म पूछकर मारा यह बात चर्चा में आई थी। क्योंकि आतंकवादी भी जानते हैं कि इस तरह हम भारत के लोगों में आसानी से फूट डलवा सकते हैं। अभी दिल्ली धमाके से पहले ही फरीदाबाद में जब बड़ी मात्रा में विस्फोटक मिली तो भाजपा सांसद गिरिराज सिंह का बयान था कि जो लोग कहते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि जितने आतंकी पकड़े गए सभी मुसलमान ही क्यों हैं? इस पर जम्मू–कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा भी है कि गांधी जी को किसने मारा? इंदिरा जी को किसने मारा? राजीव गांधी जी को किसने मारा? गिरिराज जी के जवाब के बाद हम बात करेंगे।सुश्री मुफ्ती का तर्क बिल्कुल वाजिब है, क्योंकि भारत ही नहीं विश्व के अधिकतर देश आतंकवाद का दंश किसी न किसी तरह झेल रहे हैं या झेल चुके हैं और आतंक फैलाने वाले लोग किसी भी मजहब या पंथ के हो सकते हैं। जो लोग आतंकवाद को धर्म से जोड़ते हैं, वे असल में आतंकवाद पर पर्दा डालने का कम करते हैं, जो गंभीर अपराध की तरह देखा जाना चाहिए। क्योंकि इसमें आतंकवादियों को बचाकर सारा ध्यान बंटाया जाता है। गिरिराज सिंह पहले भी राजनैतिक फायदे के लिए बार–बार अपने विरोधियों को पाकिस्तान जाने की नसीहत देते रहे हैं। हमें नहीं पता कि उनकी अपनी पार्टी के मुस्लिमों को ये बातें कैसी लगती हैं। हो सकता है वे भी राजनैतिक मजबूरी के कारण चुप रहते हों। लेकिन देश का हित राजनैतिक लाभ–हानि से सर्वोपरि है, यह बात उन्हें भी समझनी चाहिए। भाजपा में केवल गिरिराज सिंह ही नहीं हिमंता बिस्वासरमा जैसे नेता भी हैं, जो शिक्षित और अतिवादी होने में फर्क नहीं कर पा रहे। दिल्ली विस्फोट पर बोलते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, श्हमें सिखाया गया था कि अगर लोग शिक्षित होंगे, तो कोई अतिवाद नहीं रहेगा। लेकिन आपने देखा कि शिक्षा उन्हें और खतरनाक बनाती है। डॉक्टर बनना उन्हें और भी खतरनाक बनाता है। एक व्यक्ति कभी अपना रंग नहीं बदलता। जो लोग वंदे मातरम नहीं गा सकते, वे भारतीय नहीं हो सकते। अगर आप भारतीय नहीं हो सकते, तो आप भारत माता को कभी अपनी मां नहीं मान सकते। इसलिए, हमें लगातार सतर्क रहने की जरूरत है।अपनी राजनैतिक सहूलियत से श्री बिस्वासरमा ने दिल्ली धमाके और वंदे मातरम को आपस में जोड़ दिया, जबकि इसकी कोई तुक नहीं है। दिल्ली आतंकी हमले में डॉ.मोहम्मद उमर को मुख्य आरोपी माना जा रहा है। लेकिन इसका ये मतलब कतई नहीं है कि आरोपी ने उच्च शिक्षा हासिल की, इसलिए वो अधिक खतरनाक बन गया। चरमपंथ में अक्सर लोगों का ब्रेनवॉश यानी उन्हें मानसिक तौर पर पूरी तरह प्रभावित कर बड़ी घटनाओं को अंजाम देने के लिए तैयार किया जाता है। ऐसे लोग अनपढ़, गरीब भी हो सकते हैं और उच्च शिक्षित और संपन्न भी। हिमंता बिस्वासरमा ये बात अच्छे से जानते होंगे कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद जैसे अतिवादी हिंदू संगठनों में कई उच्चशिक्षित बल्कि पेशे से चिकित्सक शामिल हैं। डा. मोहन भागवत, डा. प्रवीण तोगड़िया, डा. माया कोडनानी ऐसे कई नाम गिनाए जा सकते हैं, जो हिंदुत्व के पैरोकार हैं। तो क्या हिमंता बिस्वासरमा इन्हें भी अतिवादी मानेंगे या इनके लिए उनके मानक कुछ और होंगे। शिक्षा को आतंकवाद और चरमपंथ से जोड़ना और यह कहना कि शिक्षा खतरनाक बनाती है, असल में पूरे समाज को मध्ययुग की तरफ धकेलने जैसी बात है। सामान्य आदमी इस तरह की बात करे तो उसे समझाया जा सकता है, लेकिन मुख्यमंत्री जैसे जिम्मेदार पद पर बैठकर ऐसी बेतुकी बातें करना लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। भाजपा नेता और पूर्व आईपीएस अधिकारी किरण बेदी ने भी कहा कि... हमें इन गद्दारों की पहचान करनी होगी। वे देश में पढ़ते हैं, सारे लाभ लेते हैं और फिर देश छोड़ देते हैं, इन गद्दारों की पहचान करना हमारी जिम्मेदारी है।इस तरह के बयान संदेह पैदा करने में मदद करते हैं। क्योंकि अब अल्पसंख्यकों या पड़ोसी देशों से पढ़ने आए छात्रों को कदम–कदम पर अपनी वफादारी की मिसाल देनी पड़ेगी। वैसे भी इस पूरे प्रकरण में अल–फलाह विश्वविद्यालय का नाम जिस तरह आया है, उससे संस्थान पर संकट आ गया है। जानकारी है कि इस हमले का मुख्य आरोपी डा.मोहम्मद उमर विस्फोट में मारा गया है, लेकिन उसका और एक अन्य डॉक्टर का संबंध फरीदाबाद में मिले विस्फोटक से जोड़ा जा रहा है। ये दोनों अल–फलाह विश्वविद्यालय में ही कार्यरत थे। अल–फलाह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. (डॉ.) भूपिंदर कौर आनंद ने एक बयान में कहा, विश्वविद्यालय का श्इन व्यक्तियों से कोई संबंध नहीं है, सिवाय इसके कि वे विश्वविद्यालय में अपनी आधिकारिक क्षमता में कार्यरत थे।श विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन प्रसारित हो रही श्निराधार और भ्रामक कहानियोंश की निंदा करते हुए कहा कि इनका उद्देश्य उसकी प्रतिष्ठा और साख को धूमिल करना है। सोचने वाली बात है कि दो लोगों के कारण पूरे विश्वविद्यालय को संदेह की नजर से देखकर कितने लोगों के साथ अन्याय किया जा रहा है। दरअसल यह वक्त तमाम तरह की बयानबाजियों से परहेज करने का है। जांच एजेंसियां अपना काम करें और दोषियों को पकड़ें, यही देश के हित में है।

भारत जिहादी आतंक पर निर्णायक जीत से अभी दूर क्यों?

बलबीर पुंज

गत सोमवार (10 नवम्बर) की शाम राजधानी दिल्ली एक फिदायीन आतंकी हमले से दहल उठी। लाल किला मैट्रो स्टेशन के बाहर चलती कार में हुए भीषण विस्फोट से कई निर्दोष हताहत हो गए। यह हमला एक बार फिर से जिहाद पर नबी, अनंतनाग अस्पताल में डा.आदिल अहमद राठर, फरीदाबाद के अल–फलाह अस्पताल में कार्यरत डा. मुजम्मिल अहमद गनई और लखनऊ निवासी महिला डा. शाहीन सईद जैसे शिक्षित, संपन्न और समाज में मान–सम्मान पाने वाले मुस्लिमों ने जिहाद अक्सर आधुनिकीकरण के नाम पर मदरसों में छात्रों को गणित, विज्ञान और कम्प्यूटर आदि विषयों को भी पढ़ाया जाता है। वास्तव में, यह विषय केवल माध्यम हैं, इनका उपयोग या दुरुपयोग लोगों की मानसिकता पर निर्भर करता है। यही कारण है कि डा.उमर, डा.आदिल, डा.

बनी पुरानी धारणाओं को चुनौती दे रहा है। साथ ही यह भी सोचने पर मजबूर कर रहा है कि आखिर सभ्य समाज इस पर आजतक निर्णायक विजय क्यों नहीं पा सका है? पिछले कुछ दशकों में भारत जब भी आतंकवाद का शिकार हुआ तब इसे वामपंथी मुस्लिम समाज में व्याप्त 'अशिक्षा, बेरोजगारी, गरीबी' से जोड़ा गया है। यदि ऐसा ही है तो कश्मीरी डा.उमर का मार्ग क्यों अपनाया? दरअसल, इस्लाम में जिहादी सोच को मजबूती देने में मदरसा शिक्षा पद्धति की बड़ी भूमिका है। अधिकतर मुस्लिम परिवारों के बच्चे प्रारंभिक शिक्षा–दीक्षा यही ग्रहण करते हैं, जिसका माहौल कट्टरपंथी इस्लामी पहचान तक सीमित अर्थात् 'काफिर–कुफ्र.' अवधारणा से युक्त और सह–अस्तित्व प्रेरित बहुलतावाद से मुक्त रहता है। मुजम्मिल और डा.शाहीन आधुनिक शिक्षा ग्रहण करने के बाद भी जिहाद का रास्ता नहीं छोड़ पाए। भारत सहित शेष विश्व में इस तरह के उच्च–शिक्षित (डॉक्टर–प्रोफैसर सहित) जिहादियों की एक लंबी फेहरिस्त है। न्यूयॉर्क के भीषण 9/11 आतंकी हमले के गुनहगार(लादेन सहित) आधुनिक शिक्षा में दक्ष थे। कड़वा सच यह है कि जब जिहादी मानसिकता का मेल विज्ञान–गणित–कम्प्यूटर से होता है तो वह और भी अधिक खतरनाक हो जाता है। दिल्ली में हालिया जिहादी हमले की कडियां कश्मीर से लेकर हरियाणा और उत्तर प्रदेश तक जुड़ी हैं। जम्मू–कश्मीर पुलिस ने डा.आदिल को श्रीनगर की दीवारों पर आतंकी संगठन 'जैश–ए–मोहम्मद' के पर्चे चिपकाने के आरोप में 6 नवंबर को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से गिरफ्तार किया था। जब पुलिस ने अस्पताल स्थित उसके लॉकर की तलाशी ली तो वहां से ए.के.–47 सहित कई हथियार बरामद हुए। पूछताछ में डा. मुजम्मिल का नाम सामने आया, जिसके फरीदाबाद स्थित किराए के मकान से 2,900 किलोग्राम विस्फोटक, हथियारों का जखीरा और बम बनाने के उपकरणों को जब्त किया गया। इसी कार्रवाई में पुलिस ने डा.शाहीन को भी घातक हथियारों के साथ धर दबोचा। हालिया जिहादी वारदात में जिस कार का इस्तेमाल हुआ, उसे बकौल जांचकर्ता डा.उमर चला रहा था। यह जिहादी मानसिकता केवल फिदायीन हमले तक सीमित नहीं है। गुजरात पुलिस ने हाल ही में डा.अहमद मोहिउद्दीन सैयद को उसके 2 सहयोगियों के साथ गिरफ्तार किया था। सैयद अरंडी के बीजों से घातक राइसिन जहर बना रहा था, जिसे पानी–भोजन में मिलाकर बड़े नरसंहार को अंजाम देने की योजना थी। क्या धन–दौलत के लिए मुस्लिम समाज का एक वर्ग जिहाद का रास्ता अपनाता है? सच तो यह है कि भारतीय उपमहाद्वीप (भारत सहित) में एक बड़ा मुस्लिम वर्ग उन्हीं इस्लामी आक्रांताओं–गजनवी, गोरी, बाबर, औरंगजेब, अब्दाली, टीपू सुल्तान आदि को अपना 'नायक' या फिर स्वयं को उनका 'वैचारिक–उत्तराधिकारी' मानता है, जिन्होंने 'काफिर–कुफ्र ' चिंतन से प्रेरित होकर भारत में असंख्य हिंदुओं का कत्लेआम किया, उनकी महिलाओं से बलात्कार किया, उनके हजारों मंदिरों को तोड़ा और सांस्कृतिक प्रतीकों–मानबिंदुओं को रौंदा। इस वर्ग की धारणा है कि भारतीय उपमहाद्वीप के अधूरे 'गजवा–ए–हिंद' का मजहबी दायित्व उस पर है। वास्तव में, बीते दशकों में हुए अनेकों जिहादी हमलों (26/11 सहित) की प्रेरणा और शताब्दियों पूर्व भारत में इस्लामी आक्रांताओं का चिंतन, एक ही है। इसका एक विवरण वर्ष 1908 में जी–रुस–केपेल और काजी अब्दुल गनी खान द्वारा अनुवादित 'तारीख–ए–सुल्तान महमूद–ए–गजनवी' पुस्तक में मिलता है। इसके अनुसार, जब महमूद गजनवी (971–1030) को एक पराजित हिंदू राजा ने मंदिर नष्ट नहीं करने के बदले अपार धन देने की पेशकश की तो उसने कहा,"हमारे मजहब में जो कोई मूर्तिपूजकों के पूजास्थल को नष्ट करेगा, वह कयामत के दिन बहुत बड़ा इनाम पाएगा और मेरा इरादा हिंदुस्तान के हर नगर से मूर्तियों को पूरी तरह से हटाना है।" बीते कुछ समय से एक और विषाक्त नैरेटिव बनाया जा रहा है, जिसमें मुस्लिम समाज में व्याप्त 'असहिष्णुता', 'कट्टरता' और 'आक्रामकता' को मोदी सरकार की नीतियों से जोड़ दिया जाता है। यदि ऐसा है तो 1947 में देश का मजहब के नाम पर रक्तरंजित विभाजन क्यों हुआ? क्यों इसे गांधीजी–नेहरू, पटेल नहीं रोक पाए? 1980–90 के दौर में मुस्लिम बहुल घाटी में कश्मीरी पंडितों का नरसंहार–पलायन क्यों हुआ? क्यों कोलकाता (1993), भारतीय संसद (2001), गांधीनगर (2002), मुंबई (1993, 2006, 2008 और 2011), कोयंबटूर (1998), दिल्ली (2005 और 2008),जयपुर (2008), अहमदाबाद (2008), पुणे (2010), वाराणसी (2010), हैदराबाद (2013), बोधगया (2013) आदि शहरों में जिहादी हमले हुए? भारत वह भूमि है, जहां परंपरा–आधुनिकता साथ–साथ चलती हैं और अनादिकाल से संवाद की स्वतंत्रता है। इसलिए वेद, रामायण, महाभारत और मनुस्मृति आदि ग्रंथों पर खुली चर्चा होती है। परंतु यह खुलापन इस्लाम में नहीं है, जिसका दंश नूपुर शर्मा, तस्लीमा नसरीन, सलमान रुश्दी आदि झेल रहे हैं।

भागीदारी में आगे, हिस्सेदारी में पीछे महिलाएं

राजकुमार सिंह

अन्य राज्यों की तरह बिहार में भी महिला मतदाताओं को रिझाने में सत्ता के दावेदारों ने कसर नहीं छोड़ी। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राजग सरकार ने चुनाव की घोषणा से ऐन पहले महिला सशक्तिकरण के नाम पर सवा करोड़ से भी ज्यादा महिलाओं के बैंक खाते में 10–10 हजार रुपए ट्रांसफर किए तो महागठबंधन ने 'माई–बहिन योजना' के तहत हर महिला को अढ़ाई हजार रुपए महीना देने का वायदा किया। महागठबंधन के नेता तेजस्वी यादव ने जीविका दीदियों का वेतन बढ़ा कर 30 हजार रुपए करने का वायदा भी मतदान से पहले कर दिया। महिलाओं पर इस चुनावी मेहरबानी का कारण समझना मुश्किल नहीं। 2010 से ही हर चुनाव में महिलाएं मतदान में पुरुषों से बाजी मारती रही हैं। 2010 में पुरुषों का मतदान प्रतिशत जहां 51.5 ही रहा, 54.5 प्रतिशत महिलाओं ने वोट डाले। 2015 में हुए अगले विधानसभा चुनाव में मतदान का यह अंतर और बढ़ गया। पुरुष मतदान का प्रतिशत 53.3 तक ही सुधरा तो महिलाएं 60.5 प्रतिशत पर पहुंच गईं। बेशक 2020 के पिछले विधानसभा चुनाव में महिला मतदान प्रतिशत में कुछ कमी आई लेकिन 54.5 प्रतिशत पुरुष मतदान के मुकाबले 59.7 प्रतिशत के साथ आगे वे ही रहीं। इस चुनाव में भी मतदान में महिलाओं के आगे रहने के संकेत हैं। हार–जीत मतदान से ही तय होती है। मतदान में महिलाएं आगे हैं तो जाहिर है कि सरकार के चयन में भी उनकी पसंद पुरुषों के मुकाबले ज्यादा निर्णायक भूमिका अदा करती है। इसलिए भी कोई खुद को महिलाओं का हितैषी दिखाने में पीछे नहीं रहना चाहता। चुनावी आंकड़े और विश्लेषण यह संकेत भी देता है कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तो देश भर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता महिलाओं में अन्य राजनेताओं के मुकाबले ज्यादा है। बेशक महिलाओं में राजनीतिक जागरूकता और मतदान में बढ़ती उनकी भागीदारी देश और समाज के लिए सुखद संकेत है। वांछित परिणामों पर बहस हो सकती है, पर बिहार में महिला सशक्तिकरण के लिए कदम उठाए गए हैं। पंचायत चुनाव में 35 प्रतिशत आरक्षण है तो पुलिस भर्ती में 50 प्रतिशत लेकिन बात जब विधानसभा और लोकसभा की चुनावी राजनीति में प्रतिनिधित्व की आती है तो तस्वीर निराशाजनक उभरती है। मसलन, इस विधानसभा चुनाव में बिहार की 243 सीटों पर 2357 पुरुष उम्मीदवार मैदान में हैं लेकिन महिला उम्मीदवारों की संख्या मात्र 258 ही है। संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के लिए वर्ष 2023 में 106वां संविधान संशोधन पारित करते समय अपनी प्रतिबद्धता दोहराने वाले राजनीतिक दल महिलाओं को कम टिकट के लिए 'जीत की संभावना' की कसौटी की आड़ लेते हैं। पिछले बिहार विधानसभा चुनाव में 370 महिलाओं को टिकट दिए गए लेकिन सिर्फ 26 यानी 7 प्रतिशत ही जीत पाईं जबकि पुरुष उम्मीदवारों की जीत का प्रतिशत 10 रहा। दिलचस्प तथ्य यह भी है कि जिन राजनीतिक दलों की अपनी जीत की संभावना कम रहती है, वे महिलाओं को टिकट देने में उदारता दिखाते हैं। 2022 में प्रियंका गांधी ने 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' का नारा देते हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में 148 महिला कांग्रेस उम्मीदवार उतारीं, पर मात्र एक जीत पाई। जीत की बेहतर संभावना वाले राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा जैसे राज्यों में कांग्रेस ने महिलाओं के प्रति ऐसी उदारता कभी नहीं दिखाई। इस बार बिहार में महिलाओं को सबसे ज्यादा 26 टिकट मायावती की बसपा ने दिए हैं। 25 टिकटों के साथ प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी दूसरे नंबर पर है। ये दोनों ही सत्ता की प्रमुख दावेदार नहीं लगतीं। सत्ता के प्रमुख दावेदारों में भाजपा और जद–यू ने 13–13 टिकट दिए हैं तो राजद ने 11, कांग्रेस के 61 उम्मीदवारों में 5 महिलाएं हैं। चिराग पासवान की लोजपा (आर) ने 29 में से 6 उम्मीदवार महिलाएं उतारीं लेकिन एक का नामांकन रद्द हो गया। एक और सच यह भी है कि जीत की संभावना वाली सीटों पर टिकट में अक्सर राजनीतिक परिवारों की महिलाओं को ही मौका मिलता है। मसलन, जीतनराम मांझी ने अपने हिस्से आईं 6 सीटों में से 2 पर महिलाओं को टिकट दिया, जिनमें से एक उनकी समधन ज्योति देवी हैं तो दूसरी बहू दीपा। राजग में 6 सीटों वाली एक और पार्टी रालोमा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने अपनी पत्नी स्नेहलता को उम्मीदवार बनाया है। दरअसल यही महिला सशक्तिकरण की चिर–परिचित राजनीतिक शैली बन गई है। मतदान में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के बावजूद चुनावी राजनीति में उनकी घटती हिस्सेदारी हमारी राजनीतिक व्यवस्था पर ही सवालिया निशान है। बिहार में 2010 में 34 महिलाएं जीत कर विधानसभा पहुंची थीं। 2015 में यह संख्या घट कर 28 रह गई तो 2020 में 26। वैसे चुनावी लोकतंत्र में आधी आबादी की बढ़ती भागीदारी और घटती हिस्सेदारी की यह विडंबना राष्ट्रव्यापी है। पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में भी 20 से ज्यादा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मतदान प्रतिशत ज्यादा था। कमोबेश यही कहानी 2019 के लोकसभा चुनाव की रही लेकिन आजादी के बाद से ही उनकी जीत का प्रतिशत घटता जा रहा है। 1957 में चुनाव लडने वाली 45 महिलाओं में से 22 जीत कर लोकसभा पहुंच गई थीं लेकिन 2024 में चुनाव लडने वाली 800 महिलाओं में से मात्र 74 ही जीत पाईं। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में आधी आबादी की यह तस्वीर देश के राजनीतिक नेतृत्व से ईमानदार आत्मविश्लेषण और प्रतिबद्धता की मांग करती है।

कम से कम पुरुषों को एक बार पीरियड हो.. रश्मिका मंदाना का बयान वायरल, बहस छिड़ने के बाद एक्ट्रेस ने दी सफाई

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना इन दिनों कभी अपनी डेटिंग की खबरों तो कभी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने हाल ही में एक ऐसा बयान दिया, जिस पर यूजर्स के एक के बाद एक रिएक्शन आने लगे। अपने हालिया बयान में रश्मिका ने कहा कि वह चाहती हैं कि पुरुषों को कम से कम एक बार पीरियड हो ताकि वे समझ सकें कि महिलाओं को हर महीने क्या-क्या सहना पड़ता है। इसके बाद नेटिजन्स के एक ग्रुप ने उन्हें पुरुषों के प्रति असंवेदनशील बताया। दरअसल, हाल ही में जगपति बाबू के शो में रश्मिका मंदाना ने कहा, हां, मैं चाहती हूं कि उन्हें (पुरुषों को) कम से कम एक बार पीरियड हो, ताकि वे उस दर्द और तकलीफ को समझ सकें। हार्मोनल इम्बैलेंस के कारण, हम ऐसी फीलिंग्स महसूस करते हैं जिन्हें हम समझ नहीं पाते और आप पुरुषों पर यह प्रेशर नहीं दिखा सकते क्योंकि, चाहे आप उन्हें कितना भी समझाएं, वे उस एहसास को नहीं समझते। इसलिए, अगर पुरुषों को सिर्फ एक बार पीरियड होता है, तो उन्हें यह समझ आएगा कि पीरियड का दर्द कैसा होता है। उन्होंने आगे कहा, मुझे इतना भयानक पीरियड पेन होता है कि मैं एक बार इसकी वजह से बेहोश भी हो गई थी। मैंने कई टेस्ट करवाए हैं और डॉक्टरों से सलाह ली है, लेकिन किसी को नहीं पता कि ऐसा क्यों होता है। हर महीने मैं सोचती हूं, हे भगवान, आप मुझे इतना क्यों सता रहे हैं? मुझे लगता है कि कोई भी इसे तभी समझ सकता है जब वह इसे एक्सपीरियंस करे। इसलिए मुझे लगता है कि पुरुषों को कम से कम एक बार पीरियड होना चाहिए। एक्ट्रेस के इस वीडियो को हाल ही में एक फैन पेज ने शेयर किया। ट्वीट में लिखा था, पुरुषों के पीरियड पर रश्मिका का नजरिया रू)) कभी-कभी हम बस यही चाहते हैं कि हमारे दर्द और भावनाओं को समझा जाए। यह कभी भी तुलना या पुरुषों की जिम्मेदारियों को कम करने के बारे में नहीं था...लेकिन हल्के अहंकार ने इसे इस तरह से मोड़ दिया। रश्मिका मंदाना ने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा, और इस बारे में कोई बात नहीं करेगा... शो और इंटरव्यू में जाने का डर मेरे लिए यही है... मैं कुछ और कहती हूं और इसे पूरी तरह से कुछ और समझ लिया जाता है... काम की बात करें तो रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म, द गर्लफ्रेंड की सफलता एंजॉय कर रही हैं।

> “ रश्मिका ने कहा कि वह चाहती हैं कि पुरुषों को कम से कम एक बार पीरियड हो ताकि वे समझ सकें कि महिलाओं को हर महीने क्या-क्या सहना पड़ता है। इसके बाद नेटिजन्स के एक ग्रुप ने उन्हें पुरुषों के प्रति असंवेदनशील बताया। दरअसल, हाल ही में जगपति बाबू के शो में रश्मिका मंदाना ने कहा, हां, मैं चाहती हूं कि उन्हें (पुरुषों को) कम से कम एक बार पीरियड हो, ताकि वे उस दर्द और तकलीफ को समझ सकें।

डीप-नेक ब्लैक ड्रेस में रकुल ने काटा बवाल, समुंदर किनारे दिए कातिलाना पोज

बॉलीवुड की खूबसूरत और टैलेंटेड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अपनी बेहतरीन एक्टिंग के साथ-साथ अपने फैशन सेंस के लिए भी जानी जाने वाली रकुल ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर आते ही बवाल काट रही हैं। इन तस्वीरों में रकुल अपने हॉट लुक से सबके होश उड़ा रही हैं। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में रकुल प्रीत डीप-नेक ब्लैक आउटफिट में नजर आ रही हैं, जिसके ऊपर उन्होंने कॉन्ट्रास्टिंग कलर का श्रग कैरी किया है। उनका यह लुक सिंपल होते हुए भी बेहद क्लासी दिख रहा है। आउटफिट को उन्होंने सटल मेकअप, स्टेटमेंट एक्सेसरीज और ओपन हेयर के साथ पेयर किया, जिससे उनका लुक और भी आकर्षक लग रहा है। इन तस्वीरों में रकुल समुंदर किनारे कातिलाना पोज देती नजर आ रही हैं। सूरज की हल्की रोशनी में उनका ग्लो और भी निखरकर सामने आ रहा है। इन तस्वीरों को देख फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। इन फोटोज को शेयर करते हुए रकुल ने कैप्शन में लिखा-"आयशा से मिलने के लिए अब बस दो दिन का इंतजार! मैं बहुत एक्साइटेड हूं आप सब से मिलने के लिए।"दरअसल, 'आयशा' उनकी आने वाली फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में उनके किरदार का नाम है। इस पोस्ट से उन्होंने अपने फैंस को फिल्म के लिए और भी उत्साहित कर दिया है। वहीं, फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' की बात करें तो रकुल प्रीत सिंह की यह फिल्म 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें उनके साथ अजय देवगन, आर. माधवन, गौतमी कपूर और मिजान जाफरी जैसे कई सितारे नजर आने वाले हैं।

फैन को स्टेज पर बुलाकर सुनंदा शर्मा ने लगाया गले और संवाले बाल, वीडियो देख नहीं थक रहे फैंस

दूजी वार प्यार' और 'मम्मी नू पसंद' जैसे सुपरहिट गानों से पूरे देश में अपनी पहचान बनाने वाली पंजाबी सिंगर सुनंदा शर्मा सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहती हैं। वहीं, एक बार फिर सुनंदा फैंस के बीच छाई हुई हैं। इस बार वजह उनके किसी नए गाने की नहीं, बल्कि एक प्यारा और दिल छू लेने वाला पल है, जो उनके हालिया कॉन्सर्ट के दौरान कैमरे में कैद हुआ। दरअसल, हाल ही में मोहाली स्थित सीजीसी यूनिवर्सिटी में सुनंदा शर्मा का लाइव कॉन्सर्ट आयोजित किया गया। जैसे ही सिंगर स्टेज पर पहुंचीं, वहां मौजूद भीड़ उत्साह से झूम उठी। इसी बीच एक फैन ने पिट एरिया से सुनंदा की तारीफ करते हुए कहा-एक तो हमें चाय पसंद है और दूसरी हमें तुम पसंद हो..यह सुनकर सिंगर बेहद खुश हो गई और उसे स्टेज पर बुला लिया। फैन स्टेज पर पहुंचा तो सुनंदा ने उसे प्यार से गले लगाया, उसके बाल संवारे और उसका प्यार के लिए आभार जताती दिखीं। इस पल पर पूरा माहौल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। शो के बाद सुनंदा शर्मा ने खुद भी यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया और लिखा-"जो प्यार करदे ने, ओह ते गले मिलन दे हकदार ने३ मुझे यह वीडियो भेजने के लिए धन्यवाद। रूह खुश हो गई ऐ। जिन्ना प्यार मैनू मिलेया ऐ, ओहदे तों पता लगदाई के मेरे मुर्शद दी निगाह मेरे ते स्वाली ऐ।" (जो प्यार करते हैं, वे गले मिलने के हकदार हैं। यह वीडियो भेजने के लिए धन्यवाद। मेरी आत्मा बहुत खुश है। मुझे जो प्यार मिला है, वह मेरे ऊपर भगवान की कृपा का प्रमाण है।) फैंस ने इस वीडियो पर जमकर प्यार लुटाया। किसी ने इसे "सबसे प्यारा मोमेंट" कहा तो किसी ने लिखा, "इसलिए हम सुनंदा को इतना प्यार करते हैं!

उनका तमाशा बनाकर रख दिया..धर्मेंद्र की हालत पर मीडिया कवरेज से भड़के करण जौहर, बोले- यह अपमान है

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र हाल ही में तबीयत बिगड़ने के कारण अस्पताल में भर्ती थे। हालांकि, अब वे घर लौट आए हैं और डॉक्टरों की देखरेख में रिकवर कर रहे हैं। इसी बीच देओल परिवार के घर के बाहर लगातार मौजूद

रहने वाले पैपराजी को लेकर फिल्ममेकर करण जौहर ने अपना गुस्सा जाहिर किया है। करण ने अपने इंस्टाग्राम पर एक कड़ा पोस्ट शेयर करते हुए मीडिया और फोटोग्राफर्स को लताड़ लगाई है। करण जौहर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा-'जब हमारे दिल में संवेदना नहीं बचती है तो समझिए इंसान के तौर पर हम खत्म हो चुके हैं। प्लीज, परिवार को अकेला छोड़ दीजिए। वे लोग पहले ही काफी इमोशनल दौर से गुजर रहे हैं। यह देखकर दुख होता है कि जिस दिग्गज एक्टर (धर्मेंद्र) ने हमारे सिनेमा में बहुत ज्यादा योगदान दिया, उनका तमाशा बनाकर रख दिया। यह कवरेज नहीं है, यह अपमान है।' करण जौहर का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और यूजर्स उनके इस पोस्ट का समर्थन जता रहे हैं।

करण जौहर से पहले धर्मेंद्र की पत्नी हेमा मालिनी ने भी सोशल मीडिया पर फेक न्यूज फैलाने वालों को आड़े हाथों लिया था। उन्होंने अपने एक्स पर लिखा था- "जो कुछ हो रहा है, वह माफ करने लायक नहीं है। जिम्मेदार मीडिया चौनल कैसे किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में झूठी खबरें फैला सकते हैं, जो इलाज का जवाब दे रहा है और धीरे-धीरे ठीक हो रहा है? यह बेहद अपमानजनक और गैर-जिम्मेदाराना हरकत है। कृपया परिवार की निजता का सम्मान करें।

'चिकिरी चिकिरी' की सफलता पर निर्देशक बुच्ची बाबू सना ने कही ये बात

चिकिरी चिकिरी' को मोहित चौहान ने गाया है और इसका संगीत ए. आर. रहमान ने तैयार किया है। यह गाना पहले ही सभी प्लेटफॉर्म्स पर 46 मिलियन से ज्यादा व्यूज पार कर चुका है। पेड्डी' इस साल की सबसे ज्यादा प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जिसकी रिलीज से पहले ही जबरदस्त उत्सुकता देखने को मिल रही है। ग्लोबल सुपरस्टार राम चरण और खूबसूरत जान्हवी कपूर की मुख्य भूमिकाओं वाली इस फिल्म ने अपनी घोषणा के समय से ही सुर्खियाँ बटोरी हैं। इसके लुक पोस्टर्स ने उत्साह को और बढ़ाया, लेकिन हाल ही में रिलीज हुआ गाना 'चिकिरी चिकिरी' इस चर्चा को एक नए स्तर पर ले गया है। यह गाना अब तक 46 मिलियन से अधिक व्यूज पार कर चुका है और पहले से ही एक चार्टबस्टर बन गया है। ए. आर. रहमान के ऊर्जावान संगीत, मोहित चौहान की वनसनिस आवाज और राम चरण के शानदार डांस मूव्स के साथ यह गाना सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है। यह अब एक वैश्विक सनसनी बन चुका है। 'चिकिरी चिकिरी' की जबरदस्त सफलता पर निर्देशक बुच्ची बाबू सना ने बताया कि आखिर इस गाने को इतना खास क्या बनाता है। उन्होंने कहा, "जिस पल मैंने ए. आर. रहमान सर द्वारा बनाई धुन सुनी, उसी समय मुझे यकीन हो गया था कि हमारे पास एक विजेता गीत है। लेकिन जो प्रतिक्रिया मिली है, वह हमारी उम्मीदों से कहीं ज्यादा है। 'चिकिरी' एक बहुत ही स्थानीय शब्द है जो एक खास क्षेत्र में ही इस्तेमाल होता है, लेकिन रहमान सर की धुन और राम चरण गरु के जबरदस्त हुकस्टेप ने इसे एक विश्वव्यापी सनसनी बना दिया।"गाने की प्रामाणिकता पर बात करते हुए उन्होंने आगे कहा, "हमने फिल्म की थीम के अनुरूप गाने में पूरी तरह से प्रामाणिकता बनाए रखने की कोशिश की, और मुझे लगता है कि यही बात लोगों के दिलों में उतर गई। हमारे सिनेमैटोग्राफर रथनवेलु गरु का विशेष उल्लेख करना चाहूँगा, जिन्होंने इस गाने को असली लोकेशनों पर बिना किसी AI के उपयोग के शूट किया है। कुल मिलाकर, हम गाने की प्रतिक्रिया से बेहद खुश हैं कृ और यह तो बस शुरुआत है।"पेड्डी', जिसे बुच्ची बाबू सना ने लिखा और निर्देशित किया है, में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में शिवा राजकुमार, जान्हवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा, और जगपति बाबू भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह फिल्म वेंकटा सतीश किलारू के बैनर वृद्धि सिनेमाज और प्रमुख प्रोडक्शन हाउस मिथ्री मूवी मेकर्स के सहयोग से बनाई जा रही है। फिल्म की रिलीज डेट 27 मार्च, 2026 तय की गई है।

रोज सुबह चबाएं बस तुलसी की इतनी पत्तियां, कभी नहीं बनेंगे बीपी-शुगर के मरीज !

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को बेहद पवित्र माना गया है। यह पौधा हर घर में आसानी से मिल जाता है। तुलसी का धार्मिक महत्व तो है ही, साथ ही इसका इस्तेमाल औषधि के रूप में भी खूब किया जाता है। तुलसी को आयुर्वेद में संजीवनी बूटी कहा गया है, क्योंकि यह कई बीमारियों के इलाज में मददगार मानी गई है। तुलसी में एंटीबैक्टीरियल, एंटीवायरल और एंटीऑक्सिडेंट गुण पाए जाते हैं, जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं और कई रोगों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। रोज सुबह तुलसी के पत्ते चबाने से निम्नलिखित बीमारियों से राहत मिल सकती हैरू

तुलसी का सेवन करने से इन बीमारियों से मिलती है राहत

सर्दी–जुकाम और खांसीः तुलसी के पत्तों का सेवन गले की खराश और सर्दी–जुकाम में राहत देता है। इसके एंटीवायरल गुण वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।

बुखारः तुलसी के पत्ते बुखार में भी फायदेमंद होते हैं। नियमित सेवन से बुखार को नियंत्रित करने में मदद मिलती है, खासकर वायरल बुखार में।

अस्थमा और सांस की समस्याएंः तुलसी के पत्तों के सेवन से फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ती है, जिससे अस्थमा और अन्य सांस की समस्याओं में आराम मिलता है।

पाचन में सुधारः तुलसी का सेवन अपच, गैस, और कब्ज जैसी पाचन समस्याओं को दूर करने में मदद करता है।

ब्लड शुगरः तुलसी ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करती है, इसलिए यह डायबिटीज के मरीजों के लिए लाभदायक होती है।

तनाव और मानसिक स्वास्थ्यः तुलसी के पत्ते मानसिक शांति प्रदान करते हैं और तनाव कम करने में सहायक होते हैं।

हृदय स्वास्थ्यः तुलसी का सेवन हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करता है और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता है।

त्वचा और बालों के लिएः तुलसी के एंटीऑक्सिडेंट गुण त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखते हैं और बालों में रूसी की समस्या को कम करते हैं।

तुलसी का सेवन करने का सही तरीका

–रोज सुबह खाली पेट 4–5 तुलसी के पत्ते चबाएं। इससे शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

– तुलसी के पत्तों को पानी में उबालकर पीने से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है और विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं।

–तुलसी, अदरक और काली मिर्च का काढ़ा बनाकर पीने से सर्दी–जुकाम में राहत मिलती है।

–तुलसी की चाय सुबह के समय पिएं, यह दिमाग को शांति और ताजगी प्रदान करती है।

– तुलसी के सूखे पत्तों का पाउडर बना लें और इसे पानी या शहद के साथ सुबह सेवन करें।

कौन सी तुलसी है अधिक फायदेमंद?

तुलसी के दो मुख्य प्रकार हैं राम तुलसी और श्याम तुलसी और दोनों ही अपने औषधीय गुणों के लिए जानी जाती हैं। हालांकि दोनों तुलसी शरीर के लिए लाभकारी हैं, लेकिन श्याम तुलसी को औषधीय गुणों में अधिक प्रभावी माना जाता है और यह गंभीर बीमारियों के इलाज में अधिक प्रभावी मानी जाती है। इस वजह से, श्याम तुलसी को स्वास्थ्य लाभों के दृष्टिकोण से अधिक फायदेमंद माना जाता है।

घर का बना खाना भी हो सकता है अनहेल्दी, इन तरीकों से रखें सेहतमंद।

बहुत से लोग मानते हैं कि घर में बना खाना हमेशा हेल्दी होता है, लेकिन यह सच नहीं है। अगर खाना बनाने के तरीके और सामग्री पर ध्यान न दिया जाए तो घर का खाना भी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की रिपोर्ट बताती है कि यदि घर में बने खाने में अधिक मात्रा में शुगर, नमक या तेल का इस्तेमाल किया जाए तो वह भी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। ऐसे भोजन से मोटापा, डायबिटीज और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

कौन से घर के खाने हैं अनहेल्दी?

हेल्थ एक्सपर्ट्स बताते हैं कि बहुत से लोग खाने को स्वादिष्ट बनाने के लिए उसमें ज्यादा तेल, मक्खन, और मसालों का इस्तेमाल करते हैं, जो सेहत के लिए सही नहीं हैं। जैसे– भटूरे, पूड़ी, कोफ्ते जैसे डीप फ्राइड फूड्स सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं, जिससे दिल की बीमारियां, वजन बढ़ना और शुगर जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा, अदरक–लहसुन पेस्ट या टमाटर प्यूरी जैसे प्रोसेस्ड मसाले खाने में इस्तेमाल करना भी सही नहीं है, क्योंकि इनमें कई हानिकारक तत्व होते हैं।

ज्यादा पकाने से पोषक तत्व होते हैं नष्ट

खाना अगर बहुत ज्यादा पकाया जाए तो उससे उसमें मौजूद आवश्यक पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं। इस तरह का खाना खाने से शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाता और पाचन की समस्याएं भी हो सकती हैं। साथ ही, कुछ घरों में भोजन में सलाद, फल, प्रोटीन जैसे आवश्यक तत्व शामिल नहीं किए जाते हैं, जिससे जरूरी पोषक तत्वों की कमी होती है।

कैसे बनाएं घर का खाना हेल्दी?

घर के खाने को हेल्दी और संतुलित रखने के लिए निम्नलिखित सुझाव अपनाएं

अलग–अलग सब्जियां और फल

हर दिन विभिन्न रंग और प्रकार की सब्जियां और फल अपने भोजन में शामिल करें। ये एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन्स और मिनरल्स का अच्छा स्रोत होते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। हर रंग की सब्जी और फल अलग–अलग पोषक तत्व प्रदान करते हैं, इसलिए जितना हो सके विविधता बनाए रखें।

प्रोटीन का स्रोत

प्रोटीन शरीर की कोशिकाओं के निर्माण और मरम्मत के लिए आवश्यक है। मछली, चिकन, अंडे, दालें, और बीन्स जैसे स्रोत आपके आहार में प्रोटीन की पूर्ति करते हैं। शाकाहारी लोगों के लिए भी प्रोटीन प्राप्ति के अच्छे विकल्प हैं, जैसे कि दाल, छोले, सोयाबीन और पनीर। ये न सिर्फ मांसपेशियों को मजबूत करते हैं, बल्कि ऊर्जा भी प्रदान करते हैं।

साबुत अनाज का उपयोग

सफेद चावल और मैदा जैसे रिफाइंड अनाज की जगह ब्राउन राइस, ओट्स, बाजरा, ज्वार, और क्विनोआ जैसे साबुत अनाज का सेवन करें। इनमें अधिक फाइबर होता है, जो पाचन को सुधारता है और लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस करवाता है। साबुत अनाज ब्लड शुगर लेवल को भी नियंत्रित रखने में सहायक होते हैं।

हेल्दी फैट्स

जैतून का तेल, अलसी के बीज, अखरोट, बादाम और अन्य नट्स में हेल्दी फैट्स पाए जाते हैं, जो दिल की सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। खाने में मक्खन या घी की जगह इनका उपयोग करें। हेल्दी फैट्स शरीर में सूजन को कम करने और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

खाना पकाने का तरीका

खाना पकाते समय उसे स्टीम, ग्रिल या हल्का रोस्ट करके पकाएं ताकि उसके पोषक तत्व सुरक्षित रहें। डीप फ्राई करने से तेल की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। स्टीमिंग से सब्जियों के विटामिन और मिनरल्स सुरक्षित रहते हैं, जो उबालने या डीप फ्राई करने में नष्ट हो सकते हैं।

पोर्शन कंट्रोल

हर भोजन में खाने की मात्रा का ध्यान रखें और अपनी भूख के अनुसार खाएं। ओवरईटिंग से वजन बढ़ सकता है और पाचन संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं। खाने को छोटी प्लेट में भोजन परोसें और धीरे–धीरे खाएं, जिससे पेट भरा हुआ महसूस होगा और कम खाने की आदत विकसित होगी।

नमक, चीनी और अनहेल्दी फैट

खाने में अधिक नमक और चीनी डालने से ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ता है। अतिरिक्त शुगर और नमक से मोटापा और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं। प्रोसेस्ड फूड्स से बचें और प्राकृतिक स्वादों को अपनाएं, जैसे कि नींबू, धनिया, और हल्दी, जो बिना नुकसान पहुंचाए स्वाद बढ़ाते हैं।

संतुलित आहार

हर थाली में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, और फाइबर का सही संतुलन बनाए रखें। उदाहरण के लिए, दाल, सब्जी, रोटी और सलाद का संयोजन एक संतुलित थाली बनाता है। ये सभी मिलकर शरीर को आवश्यक ऊर्जा, मांसपेशियों की मजबूती और अच्छे पाचन के लिए जरूरी तत्व प्रदान करते हैं। संतुलित आहार से शरीर स्वस्थ रहता है और ऊर्जा बनी रहती है। घर के खाने को सही तरीके से बनाकर और संतुलित आहार की आदत डालकर आप अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं।

पार्टी के बाद अपनी त्वचा को डिटॉक्स कैसे करें, इन 7 टिप्स को फॉलो कीजिए

पार्टियां करना आखिर किस को पसंद नहीं है। हम सभी लेट नाइट पार्टियां या नॉर्मल पार्टी में जरुर जाते हैं। जहां अपने चेहरे पर काफी मेकअप करके जाते हैं। भारी मेकअप चेहरे पर देर रात तक रहना और पार्टी का स्वादिष्ट भोजन खाने से आपकी त्वचा एकदम सुस्त, थकी हुई बन जाती है, जो डिटॉक्स की जरूरत वाली दिखने लगती है। आइए जानते हैं किस तरह से अपने चेहरे को डिटॉक्स कर सकते हैं।

हाइड्रेशन जरुरी है

अपने चेहरे को हाइड्रेट करने के लिए खूब पानी पिएं और शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने के लिए कैमोमाइल जैसी हर्बल टी का सेवन जरुर करें। हाइड्रेशन के लिए खूब पानी पिएं।

चेहरे के लिए डबल सफाई जरुरी

जब किसी पार्टी से लौटकर आते हैं, तो केवल माइसेलर पानी और मेकअप वाइप्स पर निर्भर न रहें। मेकअप को हटाने के लिए क्लींजिंग ऑयल या बाम से शुरुआत करें। इसके बाद चेहरे के बैक्टीरिया साफ करने के लिए आप सौम्य क्लींजर से फेस को क्लीन करें।

डिटॉक्सिफाइंग फेस मास्क इस्तेमाल करें

चेहरे की अशुद्धियां निकालने के लिए और ऑयल को कंट्रोल करने के लिए सप्ताह में दो बार मिट्टी या चारकोल मास्क लगाएं। चेहरे के रोमछिद्रों को क्लीन करने के लिए 10–15 मिनट तक डिटॉक्सिफाइंग फेस मास्क लगाएं। फिर चेहरे को साफ पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा मुलायम हो जाएगी।

सनस्क्रीन जरुर लगाएं

सनस्क्रीन लगाने से काले–धब्बे और पिगमेंटेशन को रोकता है। सनस्क्रीन लगाने से आपकी त्वचा चमकदार बनती है और पार्टी के लिए भी तैयार रहती है।

आईस फेशियल करें

अपने चेहरे पर ठंडे टी बैग्स या खीरे से देर रात की सूजन को कम करने के लिए और सर्कुलेशन को बढ़ावा देने के लिए चेहरे की मालिश करें। जिससे त्वचा तरोताजा हो जाएगी। आप बर्फ टुकड़े थोड़ी देर रखकर उस पानी से चेहरे को धो सकते हैं या फिर सिकाई कर सकते हैं।

नींद को प्राथमिकता दें

अच्छी त्वचा के लिए चेहरे की मरम्मत के लिए नींद लेना भी काफी जरुरी है। अपनी त्वचा को प्राकृतिक रुप से पुनर्जीवित करने में मदद के लिए बढ़िया आराम से सोएं।

सौम्य एक्सफोलिएशन जरुरी

मृत कोशिकाओं को हटाने और ब्रेकआउट से बचने के लिए पार्टी के एक या दो दिन बाद हल्के एक्सफोलिएंट का उपयोग करें, जिससे आपकी त्वचा चिकनी और चमकदार हो जाएगी।

रोज नमकीन चावल खाकर बोर हो गए हैं, तो कॉर्न पुलाव करें ट्राई, नोट करे रेसिपी

सुबह–शाम हर समय एक जैसा खाना खाकर हम सभी बोर हो जाते हैं। जिस वजह से बाहर का जंक फूड अच्छा लगने लगता है। अगर आप भी घर पर एक ही टाइफ के नमकीन चावल खाकर बोर हो गए हैं तो आप एक बार कॉर्न पुलाव जरुर खाएं। जिन लोगों को स्वीट कॉर्न खाना पसंद हैं उन्हें ये पुलाव जरुर खाना चाहिए। आइए आपको कॉर्न पुलाव बनाने का सबसे इजी तरीका बताते हैं।आस–पास के सबसे अच्छे रेस्टोरेंट

सामग्री

– बासमती राइस
– अमेरिकन कॉर्न
– घी या सरसों का तेल
– प्याज
– अदरक लहसुन का पेस्ट
– नमक
– हरी मिर्च
– लौंग
– गर्म पानी
– हरा धनिया
– नींबू का रस
– अलग रंग की शिमला मिर्च
– कद्दूकस किया नारियल

कॉर्न पुलाव बनाने की विधि

सबसे पहले आप बासमती चावल को धो ले कम से कम 15–20 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इसके बाद हरी मिर्च, धनिया पत्ती को पीसकर पेस्ट बना लें। अब एक पैन लें, उसमें जैतून का तेल डालें। फिर तेल गर्म होने पर इसमें डालें जीरा, लौंग, तेज पत्ता, काली मिर्च, कटा हुआ प्याज, कटी हुई हरी मिर्च अदरक लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च का पेस्ट डालें। अब आप इसे अच्छे से भूनें और इसके बाद अमेरिकन कॉर्न डालें। चावल को छान लें और इसे पैन में डालें। अब मिक्स करें और फिर गर्म पानी में थोड़ा नमक डालें और 15 मिनट तक पकाएं। चावल पकने के बाद नींबू का रस डालें। आखिर में आप अलग–अलग रंग की शिमला मिर्च को भून कर डाल दें। धनिया पत्ती और कद्दूकस किया नारियल से गर्निश करें और फिर सर्व करें।

संक्षिप्त

अदाणी समूह अगले दशक में आंध्र प्रदेश में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा : करण अदाणी

अदाणी समूह अगले दशक में आंध्र प्रदेश में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। करण अदाणी ने आंध्र प्रदेश निवेशक शिखर सम्मेलन में शुक्रवार को कहा कि यह निवेश बंदरगाहों, सीमेंट, डेटा केंद्रों, ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण क्षेत्र में किया जाएगा। अदाणी समूह अगले दशक में आंध्र प्रदेश में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। करण अदाणी ने आंध्र प्रदेश निवेशक शिखर सम्मेलन में शुक्रवार को कहा कि यह निवेश बंदरगाहों, सीमेंट, डेटा केंद्रों, ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण क्षेत्र में किया जाएगा। यह पहले से निवेश किए गए 40,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त है। उद्योगपति गौतम अदाणी के सबसे बड़े बेटे करण अदाणी ने समूह के 15 अरब अमेरिकी डॉलर के 'विजाग टेक पार्क' दृष्टिकोण का भी अनावरण किया। इसमें अमेरिकी कंपनी गूगल के साथ साझेदारी में दुनिया के सबसे बड़े हरित–संचालित 'हाइपरस्केल डेटा–सेंटर इकोसिस्टम' में से एक का निर्माण शामिल है। करण अदाणी ने कहा कि आंध्र प्रदेश में अदाणी समूह के मौजूदा परिचालनों ने पहले ही एक लाख से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष नौकरियां उत्पन्न की हैं। आगामी परियोजनाओं के माध्यम से और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की योजना है।

रुपया शुरुआती कारोबार में पांच पैसे टूटकर 88.75 प्रति डॉलर पर

घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट और विदेशी पूंजी निकासी के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में पांच पैसे टूटकर 88.75 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारत–अमेरिका व्यापार समझौते पर अभी तक कोई घोषणा नहीं होने के कारण निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.70 पर खुला। फिर 88.75 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.70 पर बंद हुआ। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.11 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 284.68 अंक की गिरावट के साथ 84,193.99 अंक पर जबकि निफ्टी 88.25 अंक फिसलकर 25,790.90 अंक पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 1.57 प्रतिशत की बढ़त के साथ 64 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 383.68 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

अनिल अंबानी ने फेमा मामले में ईडी के समक्ष 'डिजिटल माध्यम' से हाजिर होने की पेशकश की

रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी ने फेमा के तहत जारी समन के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष शुक्रवार को ''डिजिटल माध्यम'' से हाजिर होने की पेशकश की। कारोबारी अनिल अंबानी (66) के एक प्रवक्ता द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि उन्होंने संघीय जांच एजेंसी को पत्र लिखकर विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत की जा रही जांच में ''पूर्ण सहयोग'' का आश्वासन दिया है। सूत्रों के अनुसार, एजेंसी ने अंबानी को शुक्रवार को व्यक्तिगत रूप से पेश होने और फेमा के तहत अपना बयान दर्ज कराने को कहा था। यह जांच जयपुर–रींगस राजमार्ग परियोजना से संबंधित

है, जहां ईडी को संदेह है कि हवाला के माध्यम से लगभग 100 करोड़ रुपये की धनराशि विदेश भेजी गई थी। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने कुछ कथित हवाला डीलरों सहित कई लोगों के बयान दर्ज किए हैं, जिसके बाद उन्होंने अंबानी को तलब करने का फैसला किया है। हवाला, धन की अवैध आवाजाही को दर्शाता है, जिसमें अधिकतर नकदी शामिल होती है। ईडी ने व्यवसायी से एक बार अपने समूह की कंपनियों के खिलाफ कथित तौर पर 17,000 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ की थी। बयान में कहा गया है, ''यह मामला (फेमा मामला) 15 साल पुराना है, 2010 का है और एक सड़क ठेकेदार से जुड़ा है।'' इसमें कहा गया है कि 'रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड' ने 2010 में जेआर टोल रोड (जयपुर–रींगस राजमार्ग) के निर्माण के लिए ईपीसी अनुबंध प्रदान किया था। बयान के अनुसार, ''यह पूरी तरह से घरेलू अनुबंध था जिसमें किसी भी तरह का विदेशी मुद्रा घटक शामिल नहीं था।'' बयान में कहा गया है, ''जेआर टोल रोड पूरी तरह से बनकर तैयार हो चुका है और 2021 से यह पिछले चार वर्षों से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के पास है।'' अंबानी रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के बोर्ड के सदस्य नहीं हैं। इसमें कहा गया है, ''उन्होंने अप्रैल 2007 से मार्च 2022 तक लगभग 15 वर्षों तक कंपनी में केवल एक गैर–कार्यकारी निदेशक के रूप में काम किया और कंपनी के दैनिक प्रबंधन में कभी शामिल नहीं रहे।

सिर्फ संजू सैमसन ही नहीं, नीलामी में ये तीन धाकड़ भी होंगे CSK के निशाने पर; अश्विन का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। भारत और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने आईपीएल को लेकर सीएसके की संभावित रणनीति पर महत्वपूर्ण बयान दिया है। जहां एक तरफ संजू सैमसन और रवींद्र जडेजा के बीच होने वाली संभावित ट्रेड ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है, वहीं अश्विन ने साफ किया कि फ्रेंचाइजी की निगाहें सिर्फ एक ट्रेड पर नहीं टिकी हैं। उन्होंने तीन ऐसे खिलाड़ियों के नाम बताए हैं, जिन पर चेन्नई मेगा ऑक्शन में बड़ा दांव लगा सकती है।

CSK के तीन बड़े टारगेट

अश्विन के मुताबिक, सीएसके अगले ऑक्शन में दो खिलाड़ियों को लेकर बेहद गंभीर हो सकती है। उन्होंने कहा, श्मुझे पता है कि कैमरून ग्रीन को सीएसके में शामिल करने को लेकर काफी चर्चा हो रही है, लेकिन मुझे लगता है कि वे खास तौर पर दो खिलाड़ियों को चुनेंगे। एक डेविड मिलर और दूसरे मोहम्मद शमी। अश्विन का कहना है कि दोनों खिलाड़ी रिलीज हो सकते हैं और अगर ऐसा होता है, तो चेन्नई उन पर बड़ा निवेश करने से पीछे नहीं हटेगी।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चौनल एश की बात पर कहा, श्डेविड मिलर अगर रिलीज होते हैं तो सीएसके उनके लिए जाएगी। मोहम्मद शमी भी संभवतः रिलीज होंगे। एक और नाम राहुल चाहर का भी हो सकता है।श इतना साफ है कि सीएसके एक अनुभवी फिनिशर, मजबूत डेथ बॉलर और एक बैकअप लेग–स्पिन विकल्प की तलाश में है और ये तीनों नाम उसी टेम्पलेट को फिट करते हैं।

सैमसन–जडेजा ट्रेड

संजू सैमसन और रवींद्र जडेजा के बीच संभावित ट्रेड को लेकर अटकलें जारी हैं। अश्विन ने माना कि यह ट्रेड ब्रांड वैल्यू और नेतृत्व के हिसाब से सीएसके के लिए आकर्षक हो सकता है, लेकिन टीम की जरूरतों के हिसाब से वे थोड़े संदेह में हैं। उन्होंने कहा, यह ट्रेड सैमसन और सीएसके दोनों के लिए ब्रांड आइडेंटिटी के लिहाज से शानदार है। एक टॉप–ऑर्डर कीपर–बैटर और कप्तानी की संभावना, सब फिट बैठता है। लेकिन टीम को चाहिए क्या था? एक पावर–हिटर और फिनिशर। अश्विन के मुताबिक, आरसीबी जैसी टीमें इस वक्त चुपचाप मुस्कुरा रही हैं, क्योंकि उनके पास टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड जैसे फिनिशर पहले से मौजूद हैं।

PBKS क्यों छोड़ेगी मैक्सवेल को?

सोशल मीडिया पर कई फैंस कह रहे हैं कि पंजाब किंग्स को ग्लेन मैक्सवेल को रिलीज करना चाहिए। इस पर अश्विन ने जवाब दिया। उन्होंने कहा, फैंस बोलते रहते हैं कि पंजाब किंग्स मैक्सवेल को रिलीज करे। भाई वह ऐसा क्यों करेंगे? रिकी पोंटिंग हेड कोच हैं, जेम्स होप्स असिस्टेंट कोच हैं और टीम फाइनल में पहुंची। ऐसे में कौन रिलीज करेगा?

जडेजा–CSK अलगाव पर अश्विन की नाराजगी

अश्विन ने जडेजा के संभावित सीएसके से बाहर होने पर निराशा जाहिर की। उनके मुताबिक, सीएसके की पहचान स्थिरता और खिलाड़ियों पर विश्वास थी। इन मूल्यों के कारण यह ब्रांड बना। जडेजा का जाना इस छवि से बिल्कुल उलट है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर फैंस गुस्से में हैं, और वीडियो के कॉमेंट सेक्शन में उन्हें भी खरी–खोटी सुनाई जा रही है। अश्विन ने कहा, श्लोग हमको ही गालियां दे रहे हैं, जैसे हमने जडेजा को ट्रेड कर दिया हो! लोग मुझे ट्रेड को रोकने को कह रहे हैं। अश्विन के मुताबिक, यह ट्रेड दो अलग–अलग चीजें हैं, लेकिन दोनों टीमों ने अपनी–अपनी जरूरतें देखते हुए फैसला लिया है।

CSK की रणनीति सिर्फ ट्रेड नहीं..

अश्विन की राय साफ करती है कि सीएसके सिर्फ एक बड़े ट्रेड की तरफ नहीं देख रही, बल्कि आईपीएल को एक रीबिल्डिंग फेज की तरह देख रही है। मिलर, शमी और राहुल चाहर जैसे अनुभवी विकल्प चेन्नई को एक नई दिशा दे सकते हैं। वहीं, सैमसन–जडेजा ट्रेड इतिहास के सबसे बड़े आईपीएल सौदों में से एक साबित हो सकता है।

अक्षर पटेल का ट्रोल्स को करारा जवाब, बोले– कप्तान का काम अंग्रेजी बोलना नहीं, टीम को समझना है

नई दिल्ली। भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने क्रिकेट में एक आम, लेकिन गलत धारणा पर खुलकर बात की है। यह धारणा है कि श्क्या अंग्रेजी बोलने वाला खिलाड़ी ही कप्तान बनने के लायक होता है?श द इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में अक्षर ने बताया कि यह सोच न केवल गलत है, बल्कि क्रिकेट की असली जरूरतों से बहुत दूर है। उनका मानना है कि कप्तान का मूल्यांकन भाषा नहीं, क्षमता और टीम मैनेजमेंट के आधार पर होना चाहिए।

अक्षर ने साफ कहा कि लोगों के बीच एक अजीब सी धारणा है कि जो खिलाड़ी अच्छे से अंग्रेजी बोल लेता है, वही कप्तानी के काबिल माना जाता है। उन्होंने कहा, श्लोग कहने लगते हैं– अरे, यह तो अंग्रेजी नहीं बोलता, यह कप्तानी कैसे करेगा? कप्तान का काम सिर्फ बोलना नहीं होता। उसका काम होता है खिलाड़ी को समझना, खिलाड़ी की ताकत और कमजोरी जानना और उससे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाना। अक्षर के मुताबिक, कप्तान का असली परीक्षण मैदान पर होता है, जब वह टीम के लिए सही फैसले लेता है, न कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में कितनी धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलता है।

भाषा कप्तानी का पैमाना नहीं

अक्षर ने बताया कि यह पूरा मामला एक लोगों की धारणा बन चुकी है।

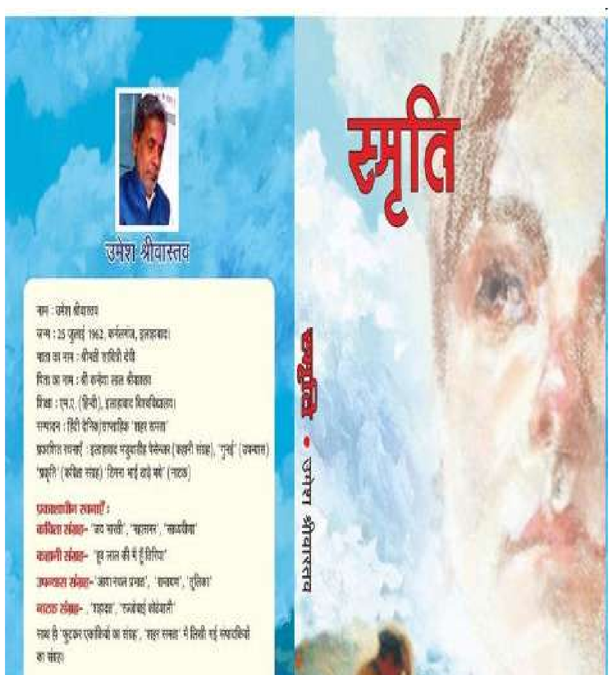

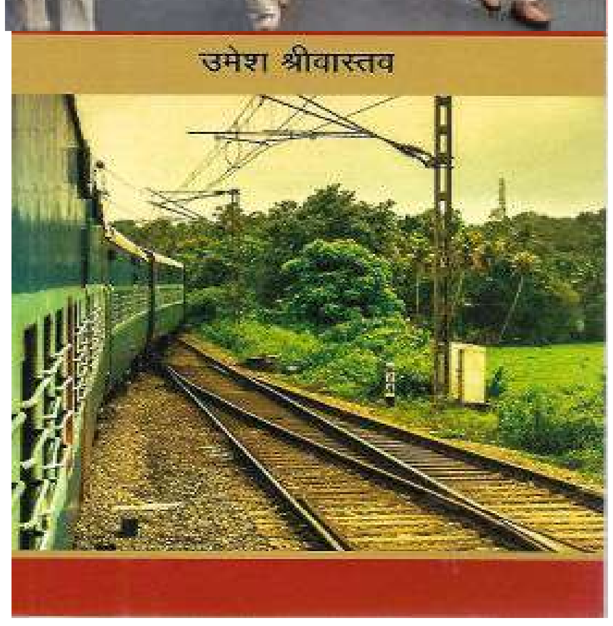

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

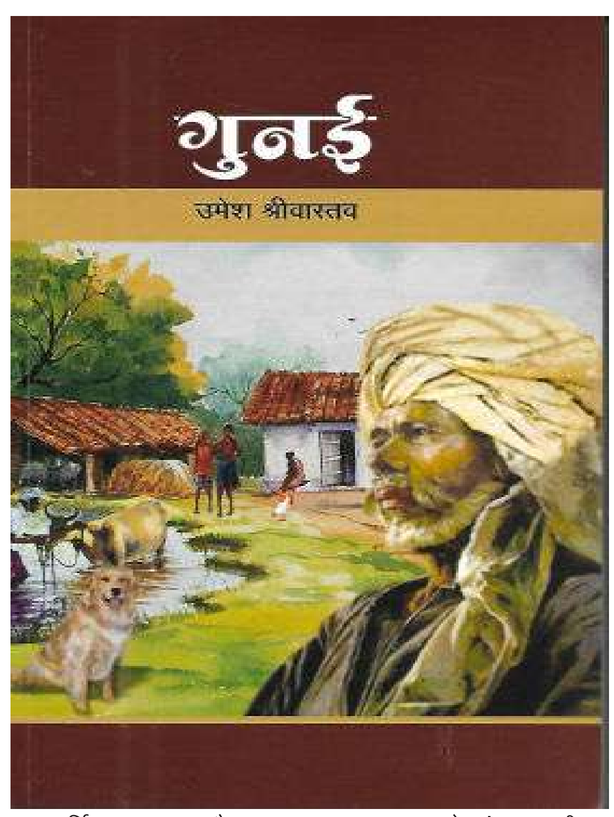

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

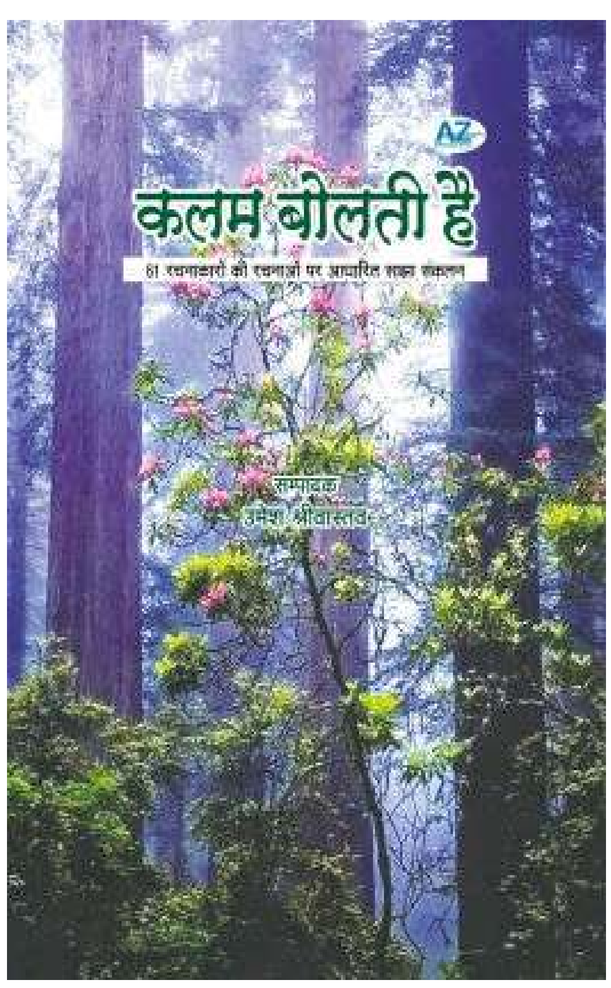

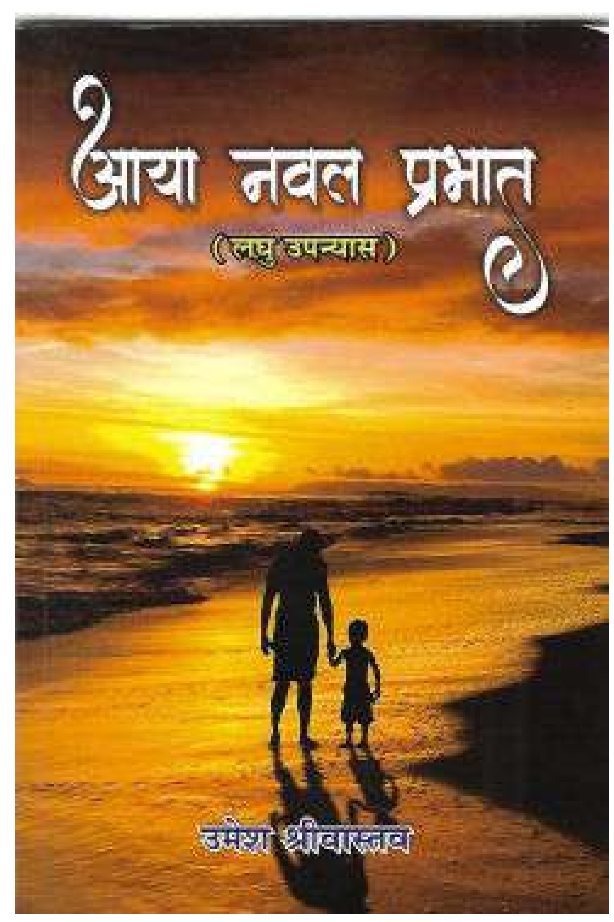

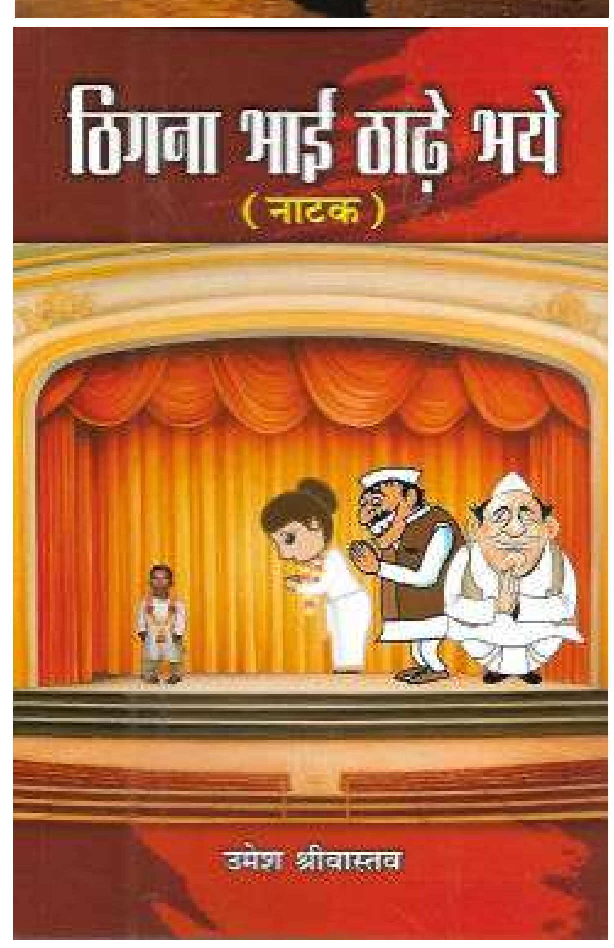

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

गाजा में बचे चार बंधकों में से एक का शव लौटाया गयारू इजराइल

इजराइल ने बृहस्पतिवार को कहा कि गाजा युद्ध के दौरान 7 अक्टूबर, 2023 को अपहृत किए गए शेष चार बंधकों में से एक का शव चरमपंथियों ने उन्हें सौंप दिया है। इज़राइल ने मेनी गोदार्ड के शव के रूप में इसकी पहचान की। उन्हें दक्षिण इज़राइल के किबुत्ज़ बेएरी से अगवा किया गया था, जबकि उनकी पत्नी आयेलेट उसी हमले में मारी गई थी। हमास और फलस्तीनी इस्लामिक जिहाद के सशस्त्र प्रभागों ने कहा कि गोदार्ड का शव दक्षिण गाजा में मिला। दस अक्टूबर को इज़राइल और हमास के बीच युद्धविराम शुरू होने के बाद अब तक 25 बंधकों के शव इज़राइल को लौटाए जा चुके हैं। गाजा में अब भी तीन बंधक बचे हैं जिन्हें सुरक्षित वापस लाना बाकी है। किबुत्ज़ बेएरी के अनुसार, गोदार्ड पेशे से फुटबॉलर थे और उन्होंने इज़राइली सेना में 1973 के पश्चिम एशिया युद्ध में सेवा दी थी। किबुत्ज़ में उन्होंने विभिन्न पदों पर काम किया, जिसमें प्रिंटिंग प्रेस का कार्य भी शामिल है। युद्धविराम समझौते के तहत, हर बंधक के शव के बदले में इज़राइल 15 फलस्तीनी शवों को लौटाता रहा है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार अब तक 315 शव प्राप्त हो चुके हैं। हमास ने कहा है कि गाजा में व्यापक तबाही के कारण शवों की वापसी जटिल है, जबकि इज़राइल ने कुछ मामलों में कहा कि लौटाए गए शव बंधकों के नहीं थे। युद्धविराम का पहला चरण पूरा होने के करीब है, जिसमें बचे तीन बंधकों की वापसी शामिल है। अगले चरण में अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल की तैनाती, टेक्नोक्रेटिक फलस्तीनी सरकार का गठन और हमास से हथियार अलग करना शामिल है। यह नाजुक समझौता उस युद्ध को समाप्त करने का प्रयास है, जो हमास के दक्षिण इज़राइल पर हमले के बाद शुरू हुआ था। हमास के हमले में करीब 1,200 लोग मारे गए और 251 बंदी बनाए गए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इज़राइल की जवाबी सैन्य कार्रवाई में अब तक 69,100 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं।

इंडोनेशिया के जावा द्वीप में भूस्खलन, दो लोगों की मौत और 21 लापता

बचावकर्मी कठिन क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए भारी उपकरण, निकासी उपकरण और हाथ के औजारों का उपयोग कर रहे हैं। अक्टूबर से मार्च के बीच भारी मौसमी बारिश इंडोनेशिया में अक्सर बाढ़ और भूस्खलन का कारण बनती है। इंडोनेशिया के जावा द्वीप में लगातार भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और 21 अन्य लापता हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानाकारी देते हुए बताया कि बचाव दल लापता लोगों की तलाश कर रहा है। अधिकारियों

के अनुसार, क्षेत्र में कई दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण केंद्रीय जावा प्रांत के तीन गांवों में दर्जनों घर प्रभावित हुए। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी (एनडीएमए) के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने कहा, "भूस्खलन वाले इलाके में गोल्डन ऑवर (तत्काल एवं समय रहते) के दौरान बचाव दल के लिए खोज करना चुनौतीपूर्ण था। इसके बावजूद, संयुक्त टीम ने शुक्रवार सुबह बचाव अभियान जारी रखा।" उन्होंने बताया कि अभियान की गति तेज करने के लिए भारी उपकरण तैनात किए गए हैं। राष्ट्रीय खोज और बचाव एजेंसी द्वारा जारी वीडियो में बचावकर्मी मलबे में दबे लोगों की तलाश करते दिखाई दिए। बचावकर्मी कठिन क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए भारी उपकरण, निकासी उपकरण और हाथ के औजारों का उपयोग कर रहे हैं। अक्टूबर से मार्च के बीच भारी मौसमी बारिश इंडोनेशिया में अक्सर बाढ़ और भूस्खलन का कारण बनती है। यह 17,000 द्वीपों वाला देश है, जहां लाखों लोग पहाड़ी क्षेत्रों या उपजाऊ बाढ़ मैदानों के पास रहते हैं। जनवरी में भी केंद्रीय जावा प्रांत में तेज बारिश के बाद बाढ़ और भूस्खलन में 20 से अधिक लोग जान गंवा चुके हैं।

रूस ने कीव पर किया हमला, कई जिलों में आगजनी और लोगों के घायल होने की खबर

रूस ने शुक्रवार तड़के कीव पर एक व्यापक संयुक्त हमला किया, जिससे राजधानी के कई जिलों में इमारतों में आग लग गई और मलबा बिखर गया। मेयर विताली क्लित्सको ने यह जानकारी देते हुए एक बयान में बताया कि हमले में कम से कम 11 लोग घायल हुए। घायलों में पांच लोग अस्पताल में भर्ती हैं। इनमें एक गर्भवती महिला भी है। एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जाती है। हमले के दौरान शहर में कई जोरदार विस्फोट हुए और वायु रक्षा प्रणाली सक्रिय की गई। अधिकारियों ने कहा कि राजधानी पर हमला जारी है और निवासियों को 'एयर रेड अलर्ट' हटने तक आश्रयों में रहने की चेतावनी दी गई है। बिजली और पानी की आपूर्ति बाधित होने की संभावना भी जताई गई। डारनित्स्की जिले में हमले के बाद मलबा एक आवासीय इमारत और शैक्षणिक संस्थान के परिसर में गिरा। चिंगारी से एक कार में आग लग गई। दि्नप्रोव्स्की जिले में हमले के कारण तीन अपार्टमेंट, एक निजी घर और खुले क्षेत्र में आग लग गई। हमले से पोदिल्स्की जिले में पांच आवासीय और एक गैर–आवासीय भवन क्षतिग्रस्त हो गए।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

पाकिस्तान में न्यायपालिका और सरकार तकरार: संशोधन बिल पर बवाल, सुप्रीम कोर्ट के दो न्यायाधीशों ने दिया इस्तीफा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में न्यायपालिका और सरकार के बीच तकरार बढ़ती जा रही है। विवादास्पद 27वें सांवधिनाकि संशोधन का विरोध करते हुए गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के दो वरिष्ठ न्यायाधीशों जस्टिस मंसूर अली शाह और जस्टिस अथर मिनल्लाह ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह संशोधन संविधान को कमजोर करता है और न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। यह कदम राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के संशोधन को मंजूरी देने के कुछ घंटों बाद उठाया गया। इस संशोधन के तहत अब एक संघीय सांविधानिक न्यायालय बनाया

जाएगा, जो संविधान से जुड़े मामलों की सुनवाई करेगा, जबकि मौजूदा सुप्रीम कोर्ट केवल नागरिक और आपराधिक मामलों तक सीमित रह जाएगा। अपने त्यागपत्र में जस्टिस शाह ने इस संशोधन को संविधान पर गंभीर हमला बताते हुए कहा कि इससे सुप्रीम कोर्ट खंडित और कार्यपालिका के अधीन हो गया है। उन्होंने लिखा, ऐसे सिस्टम में बने रहना संविधान के साथ विश्वासघात होगा। जस्टिस मिनल्लाह ने और तीखे शब्दों में लिखा, जिस संविधान की रक्षा की मैंने शपथ ली थी, वह अब नहीं रहा। जो बचा है, वह केवल एक परछाई है, जिसमें न उसकी आत्मा बची है, न जनता की आवाज। उन्होंने कहा कि हमारे वस्त्र (न्यायिक गाउन) सम्मान के प्रतीक हैं, लेकिन पाकिस्तान के इतिहास में अक्सर ये मौन और मिलीभगत के प्रतीक बन गए।

अब सेना प्रमुख की नियुक्ति में प्रधानमंत्री की सलाह अनिवार्य

इस संशोधन के साथ सरकार ने सेना प्रमुख और रक्षा बल प्रमुख की नियुक्ति में प्रधानमंत्री की सलाह को अनिवार्य कर दिया है। अब प्रधानमंत्री ही संघीय सांविधानिक न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति के लिए संस्तुति भेजेंगे। साथ ही, सरकार को सैन्य अधिकारियों को फील्ड मार्शल, एयर मार्शल या एडमिरल ऑफ द फ्लीट पद पर पदोन्नत करने का अधिकार भी मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम पाकिस्तान में न्यायपालिका और सेना के संतुलन को बदल सकता है तथा संविधान की मूल भावना पर गंभीर प्रश्न खड़े कर रहा है।

ट्रंप प्रशासन ने चार यूरोपीय वामपंथी समूहों को आतंकी घोषित किया, बम धमाकों और चरमपंथी हमलों का आरोप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने बृहस्पतिवार को यूरोप के चार वामपंथी समूहों को औपचारिक रूप से आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया। यह कदम उस समय आया है जब ट्रंप ने कंजरवेटिव एक्टिविस्ट चार्ली किर्क की हत्या के बाद लेफ्ट–विंग चरमपंथ पर कड़ा प्रहार करने की घोषणा की थी। ये सभी नेटवर्क यूरोप में सक्रिय हैं और अमेरिका में इनकी कोई प्रत्यक्ष गतिविधि दर्ज नहीं है। इनके खिलाफ विस्फोटक भेजने, सरकारी भवनों के बाहर बम लगाने और दाएं–विचारधारा समूहों पर हिंसक हमलों के आरोप हैं।

यूरोप में वामपंथी हिंसा का लंबा इतिहास

रिपोर्टों के अनुसार, यूरोप दशकों से वामपंथी राजनीतिक हिंसा का केंद्र रहा है, जबकि हाल के वर्षों में अमेरिका में ज्यादातर हमले दक्षिणपंथी चरमपंथियों द्वारा हुए हैं। हालांकि, ट्रंप प्रशासन का कहना है कि एंटी–फासिस्ट और अराजकतावादी नेटवर्क पश्चिमी सभ्यता को कमजोर करने की साजिश रच रहे हैं।

कौन हैं वे 4 यूरोपीय समूह जिन्हें ट्रंप ने निशाने पर लिया?

इंटरनेशनल रेवोल्यूशनरी फ्रंट– इटली

सशस्त्र सर्वहारा न्याय– ग्रीस

रिवोल्यूशन क्लास सेल्फ डिफेंस– ग्रीस

एंटीफा ओस्ट (पूर्व)– जर्मनी

आतंकी घोषित होने का क्या मतलब है?

प्रशासन को अब इन समूहों के किसी भी अमेरिकी वित्तीय स्रोत पर कार्रवाई करने की शक्ति मिल जाती है।

कई अराजकतावादी और एंटीफा नेटवर्क संगठित संगठन नहीं बल्कि ढीले–ढाले समूह होते हैं।

कुछ समूह केवल ''संपत्ति पर हिंसा'' का समर्थन करते हैं, लोगों पर नहीं।

ग्रीस में बम धमाकों से पहले फोन कर लोगों को सुरक्षित निकालने की मिसालें भी सामने आई हैं।

एंटीफा पर ट्रंप की कार्रवाई जारी

ट्रंप प्रशासन इससे पहले भी एंटीफा को घरेलू आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है। हालांकि अमेरिकी कानून के तहत घरेलू समूहों को विदेशों की तरह फॉरेन टेरर ऑर्गनाइजेशन लिस्ट में शामिल नहीं किया जा सकता।

यूरोपीय देशों की प्रतिक्रिया आने बाकी

यह घोषणा यूरोप में शाम के समय की गई, इसलिए संबंधित देशों की सरकारों की प्रतिक्रिया तुरंत सामने नहीं आई। इन समूहों से जुड़े मामलों की जांच यूरोप में लंबे समय से चल रही है।

ट्रंप के कबूलनामे बाद ईरान का यूएन से कड़ा संदेश : अमेरिका–इजरायल को परमाणु हमलों का हिसाब देना होगा

ईरान ने संयुक्त राष्ट्र से अमेरिका और इज़राइल के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का आग्रह किया है और जून में ईरानी परमाणु स्थलों पर किए गए कई सैन्य हमलों के लिए दोनों देशों को ज़िम्मेदार ठहराया है। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले हफ़्ते यह स्वीकार करने के बाद कि उन्होंने ही ईरान पर इज़राइल के शुरुआती हमले का निर्देश दिया था, अमेरिका आपराधिक ज़िम्मेदारी लेता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बुधवार को लिखे एक पत्र में अराघची ने मांग की कि ईरान

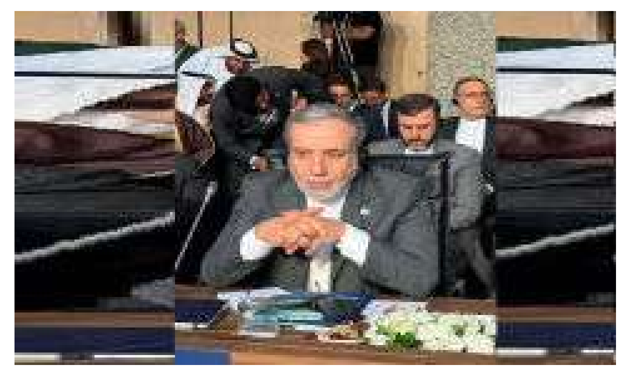

के खिलाफ आक्रामक कृत्यों के लिए वाशिंगटन और तेल अवीव दोनों पर उचित कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को क्षतिपूर्ति के माध्यम से जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए, जिसमें क्षतिपूर्ति और हुए नुकसान की भरपाई भी शामिल है। पत्र में कहा गया है कि अमेरिका और इज़राइली शासन को क्षतिपूर्ति का सामना करना चाहिए, जिसमें ईरान में हुए नुकसान की भरपाई और मुआवजा भी शामिल है। ईरानी मंत्री ने कहा कि हमलों को अधिकृत करने में अपनी भूमिका की ट्रंप द्वारा सार्वजनिक रूप से स्वीकारोक्ति, अमेरिका की संलिप्तता के निर्विवाद प्रमाण प्रदान करती है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र से अंतर्राष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों के तहत कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और अन्य अमेरिकी अधिकारी 13 जून के हमलों के लिए आपराधिक रूप से ज़िम्मेदार हैं। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी मिशन या गुटेरेस के कार्यालय ने टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत जवाब नहीं दिया।

आर्कटिक का कीमती खजाना, रूस–चीन चाहता है सेंध लगाना, कनाडा की बढ़ी चिंता

कनाडा की स्पाई एजेंसी ने रूस और चीन को लेकर चौंकाने वाला दावा किया है। एजेंसी का मानना है कि कनाडा के आर्कटिक क्षेत्र में रूस और चीन सीक्रेट ऑपरेशन के जरिए देश के सरकारी और प्राइवेट सेक्टर्स को टारगेट कर रहे हैं। मुल्क के सामने मौजूद खतरों को एड्रेस करते हुए अपने बयान में कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा (सीएसआईएस) के निदेशक डैन

रोजर्स ने दुश्मन देशों को लेकर बढ़ती चिंताओं का ज़िक्र किया। उन्होंने बताया कि कैसे ये देश आर्कटिक में तेज़ी से मज़बूत हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि सीएसआईएस ने सरकारी और प्राइवेट सेक्टर्स को निशाना बनाकर साइबर और गैर–साइबर खुफिया जानकारी जुटाने के प्रयासों को नोटिस किया है। कनाडा को देश की सीमाओं से गुज़रने वाले नौपरिवहन मार्ग और इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण खनिजों के भंडार के रूप में उत्तर में निवेश बढ़ाने के कारणों के रूप में चिह्नित किया जा रहा है। पिछले हफ़्ते पेश किए गए संघीय बजट में कनाडा ने नए हवाई अड्डों, बंदरगाहों और बारहमासी सड़कों के निर्माण में मदद के लिए 1 अरब कनाडाई डॉलर (71 करोड़ अमेरिकी डॉलर) के आर्कटिक बुनियादी ढाँचे के कोष की घोषणा की। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने पिछले हफ़्ते पत्रकारों से कहा कि नाटो सैन्य गठबंधन को आर्कटिक पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि यह ष्एक ऐसा संगठन होना चाहिए जो न केवल पूर्वी सीमा पर ध्यान केंद्रित करे, बल्कि उत्तर की ओर भी देखे।

रूसी और चीनी क्या करना चाह रहे

अपने संबोधन में रोजर्स ने कहा कि सीएसआईएस एजेंटों ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में इस्तेमाल के लिए कनाडा से अवैध रूप से सामान और तकनीक हासिल करने की रूस की कोशिशों को नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा कि इस साल, सीएसआईएस ने कई कनाडाई कंपनियों को यह बताकर इसे रोकने के लिए कार्रवाई की कि यूरोप स्थित मुखौटा कंपनियाँ, जो उनका सामान हासिल करना चाहती थीं, वास्तव में रूसी एजेंटों से जुड़ी थीं। उन्होंने आगे कहा कि कंपनियों ने रूसियों को नकारने के लिए तुरंत कदम उठाए। उन्होंने यह भी कहा कि चीनी जासूसों ने ष्सूचना और सैन्य विशेषज्ञता वाले कनाडाई लोगों को भर्ती करने की कोशिश की हैष। चीन और रूस से ख़तरों के अलावा, रोजर्स ने बताया कि कैसे एजेंसी ने कनाडा में रहने वाले असंतुष्टों के खिलाफ ईरान से संभावित घातक ख़तरों को नाकाम कर दिया।

जंग के बीच अरबों रुपये का घोटाला, यूक्रेन में 2 मंत्रियों का इस्तीफा

यूक्रेन में बड़े घोटाले के बीच देश के न्याय मंत्री और ऊर्जा मंत्री ने इस्तीफा दे दिया है। यह घोटाला सरकारी परमाणु ऊर्जा कंपनी में करोड़ों डॉलर की हेराफेरी और कमीशन से जुड़ा है। मीडिया रिपोर्ट्स में राष्ट्रपति बोलोदिमिर नेलेस्की के करीबी सहयोगी का नाम भी सामने आया है। भारी जनदबाव के बाद जेलेंस्की ने दोनों मंत्रियों को बर्खास्त करने के निर्देश दिए। वह पहले रक्षा मंत्री को भ्रष्टाचार में हटा चुके हैं। एनएबीयू ने 2024 की गर्मियों में अपनी जाँच शुरू की। खास तौर पर, इसने सरकारी कंपनी एनर्जोएटम

के कारोबार की जाँच की, जो यूक्रेन में चार परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का संचालन करती है। इस ऑपरेशन को ग्रीक मिथक के राजा मिडास के नाम पर षमिडासष नाम दिया गया था, जो जिस चीज़ को छूते थे उसे सोने में बदल देते थे।

भ्रष्टाचार की जाँच में दर्जनों शीर्ष अधिकारियों के घर सबूतों की तलाश

जाँच दल का नेतृत्व कर रहे ओलेक्सांद्र अबाकुमोव ने एनएबीयू के यूट्यूब चौनल पर एक वीडियो में बताया कि 10 नवंबर की सुबह उच्च पदस्थ अधिकारियों के यहाँ लगभग 70 बार तलाशी ली गई। जाँच के दौरान हज़ारों घंटों की ऑडियो रिकॉर्डिंग एकत्र की गईं, जिससे ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों में एक उच्च पदस्थ आपराधिक समूह के खिलाफ सबूत मिले। मंगलवार को, एनएबीयू ने घोषणा की कि पाँच संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। कुल मिलाकर, सात लोगों पर इस आपराधिक समूह का हिस्सा होने का संदेह है। यूक्रेन के न्याय मंत्री जर्मन गालुशेंको के घर की भी तलाशी ली गई। गालुशेंको, स्वितलाना ह्रीनिचुक से पहले अप्रैल 2021 से जुलाई 2025 तक ऊर्जा मंत्रालय के प्रमुख थे। 2020 से 2021 तक, वह एनर्जोएटम के उपाध्यक्ष भी रहे। न्याय मंत्रालय ने पुष्टि की कि ये जाँचें आपराधिक कार्यवाही का हिस्सा थीं।

पाकिस्तान में बगावत की आग, बलूचिस्तान में इंटरनेट 16 तक बंद

सुरक्षा अलर्ट के बाद पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में राजधानी क्वेटा को छोड़कर बाकी जगहों पर मोबाइल इंटरनेट सेवाएं सस्पेंड कर दी गई हैं। प्रांतीय सरकार के गृह विभाग ने बुधवार को अलर्ट जारी किया था। मोबाइल इंटरनेट सेवा 16 नवंबर तक निलंबित रहेंगी। एक अधिकारी ने बताया कि इंटरनेट सेवाओं को निलंबित करने का फैसला सुरक्षा अलर्ट के कारण लिया गया है। क्वेटा के छावनी क्षेत्र के सभी स्कूल भी 16 नवंबर तक बंद कर दिए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि अधिकारियों ने कहा कि पूरे प्रांत के ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट सेवा निलंबित रहेगी। उन्होंने आगे कहा कि क्वेटा ज़िले को इस प्रतिबंध से छूट दी जाएगी। हालाँकि, क्वेटा में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने बुधवार (12 नवंबर, 2025) से इंटरनेट सेवाओं के काम न करने की शिकायतें दर्ज कराई हैं। गृह विभाग ने सभी ज़िला प्रशासनों, पुलिस और संबंधित अधिकारियों को इस फ़ैसले का तत्काल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और जनता की सुविधा के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने का निर्देश दिया है पूरे प्रांत के ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट सेवा निलंबित रहेगी। उन्होंने आगे कहा कि क्वेटा ज़िले को इस प्रतिबंध से छूट दी जाएगी। हालाँकि, क्वेटा में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने बुधवार (12 नवंबर, 2025) से इंटरनेट सेवाओं के काम न करने की शिकायतें दर्ज कराई हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पिटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।